RNI No: DELMUL/2012/47011

13 नवंबर, 2026 शुक्रवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 225

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



सूर्यकुमार ने फिर वापसी का प्रयास शुरू किया, खेल के प्रति पुराना जुनून जगाया 07

केंद्र सरकार ने 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

दीवाली मिलन: पीएम ने विकसित देश बनाने का दिया संदेश

मीडिया से सफलता की कहानियों पर काम करने का आह्वान

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाएं

वेब वार्ता, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मीडिया से देश की सफलता की कहानियों पर काम करने आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहले से ही काफी काम हो रहा है। पीएम मोदी ने भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों के लिए आयोजित दीवाली मिलन समारोह में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया और विश्वास जताया कि भारत निश्चित रूप से एक विकसित देश बनेगा। मोदी ने कहा- एनडीए सरकार देश से गरीबी दूर करने में सफल रही है और 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। पहले गरीबी हटाओ के नारे लगते थे, लेकिन असल में गरीबी को इस सरकार ने दूर किया है। विश्व बैंक के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है।



मीडिया से पुराना नाता

पीएम मोदी ने कहा- मीडिया के साथ मेरा पुराना नाता रहा है, यहां तक कि उन दिनों से, जब वे ऐसे कार्यक्रमों में कुर्सियां लगाने का काम किया करते थे। पीएम ने कहा, मैंने मीडिया के साथ काम किया है। प्रेस रिलीज के दौर से लेकर इंस्टाग्राम रील्स के दौर तक विकसित होते देखा है।

सफलता की कहानियों पर काम करें

मैं भारतीय मीडिया से देश की सफलता की कहानियों पर काम करने का अनुरोध करता हूं। इस दिशा में पहले से ही काफी काम हो रहा है। पीएम ने मीडिया से नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया।

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

पत्रकारिता में डेडलाइन से काम की प्राथमिकताएं तय होती हैं और रफ्तार बढ़ती है। देश के सामने भी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की डेडलाइन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए छोटे-बड़े चरणों में काम करना होगा, 2047 तक इंतजार नहीं करना है।

कर्मचारियों के हित में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सरकारी कर्मचारी की तर्ज पर अनुदानी की अब 62 वर्ष होगी रिटायरमेंट आयु

सरकार की याचिका खारिज, आहत कर्मचारियों को मिली राहत, बकाया वेतन और अन्य वित्तीय लाभों का भुगतान 90 दिन में होगा

कोर्ट के निर्णय से राज्य के लाखों कर्मचारियों को मिलेग लाभ

वही नियम लागू होना चाहिए जो सरकारी कर्मचारियों के लिए तय

वेब वार्ता, भोपाल/जबलपुर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सरकारी सहायता प्राप्त (अनुदानी) संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के हित में एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे संस्थानों के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु भी सरकारी कर्मचारियों की तरह 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष मानी जाएगी। केवल इस आधार पर उन्हें इस बढ़ी हुई आयु का लाभ देने से वंचित नहीं किया जा सकता कि वे सीधे किसी सरकारी विभाग के नियमित कर्मचारी नहीं हैं। इस निर्णय से राज्य के लाखों कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल की अदालत ने रीवा के दो कर्मचारियों की याचिकाएं स्वीकार करते हुए राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। दरअसल, यह पूरा मामला रीवा के नेत्रहीन एवं विकलांग कॉलेज समिति, तोपखाना, बिछिया में कार्यरत अशोक कुमार त्रिवेदी और ददोली प्रसाद मिश्रा से जुड़ा है। इन दोनों कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2018 को 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया था। इसके खिलाफ कर्मचारियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और मांग की कि उनकी सेवानिवृत्ति आयु भी सामान्य सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर 62 वर्ष तय की जाए।



कोर्ट ने सभी तर्कों को नकारा

सुनवाई के दौरान कर्मचारियों के अधिवक्ता चंद्रकांत मगराडे ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि चूंकि इन संस्थानों के कर्मचारियों को भी सरकारी नियमों और अनुदान के तहत वेतन मिलता है, इसलिए उन्हें भी बढ़ी हुई आयु का लाभ मिलना चाहिए। इसके विपरीत, सरकार ने सामाजिक न्याय एवं विकलांग सेवा बोर्ड के 20 अप्रैल 2018 के एक आदेश का हवाला देते हुए याचिकाकर्ताओं को 62 वर्ष की आयु का लाभ देने का कड़ा विरोध किया था और निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

वेतन नियम भी समान हों

अदालत ने बेहद स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सहायता प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों का वेतन सीधे सरकारी राजकोष से आहरित होता है, तो उनकी सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने के मामले में भी वही नियम और सिद्धांत लागू होना चाहिए जो अन्य सरकारी कर्मचारियों के लिए तय किए गए हैं।

नहीं होना चाहिए कोई भेदभाव

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी जोड़ा कि हालांकि कुछ निगमों और बोर्डों को अपनी वित्तीय स्थिति के आधार पर निर्णय लेने की छूट हो सकती है, परंतु अनुदान प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों के साथ उनकी संस्था की प्रकृति के नाम पर कोई भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता।

2018 में सेवानिवृत्त को लाभ

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि दोनों कर्मचारियों को 60 के बजाय 62 वर्ष की आयु तक सेवा में माना जाए। इसके चलते, वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त किए गए इन कर्मचारियों को उस अवधि का पूरा बकाया वेतन और अन्य सभी देय वित्तीय लाभ दिए जाएं।

तीन माह में बकाया भुगतान करें

अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं कि इन सभी भुगतानों को आदेश की तारीख से मात्र 90 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट सइ फैसले से अन्य अनुदान प्राप्त संस्थानों के उन कर्मचारियों के लिए भी रास्ते खुल गए हैं जिन्हें पहले 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त कर दिया गया था।

ब्रीफ न्यूज

मुंबई को फिर दहलाने की धमकी, मचा हड़कंप

मुंबई। मुंबई को एक बार फिर बम धमाकों से दहलाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। धमकी भरे ईमेल में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले, मुंबई की मेयर के कार्यालय, शहर के कई बैंकों और अदालतों को निशाना बनाने की बात कही गई है।

हिंद महासागर में मिली शार्क की नई प्रजाति

कोलकाता। हिंद महासागर की गहराइयों में शार्क मछली की एक नई प्रजाति की पहचान हुई है। भारतीय समुद्री क्षेत्र में दशकों से जिस शार्क को अटलांटिक महासागर में पाई जाने वाली प्रजाति समझा जा रहा था, वह वास्तव में एक अलग प्रजाति निकली है। जेडएसआई और सीएमएफआरआई के वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि की है।

सोने के दाम 21 फीसदी घटे तो बढ़ गई खरीदारी

नई दिल्ली। सोने की कीमत रिकॉर्ड 1.80 लाख से घटकर 1.42 लाख प्रति 10 ग्राम रह गई। यानी (21 फीसदी) की गिरावट। इसके बाद धनतेरस और दिवाली पर पिछले साल के मुकाबले सोने की खरीदारी 30 फीसदी बढ़ गई। इस दौरान देश में 52 टन सोना खरीदा गया, जिसकी कीमत 72 हजार करोड़ रही।

सीएम ने किया जर्मनी के बेनेकोर समूह की निर्माण इकाई का शुभारंभ

मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा भोपाल

- मध्यप्रदेश ने औद्योगिक विकास में बनाई अपनी नई पहचान
- सरकार और उद्योग समूहों के साथ काम करने से क्षमताएं बढ़ीं
- स्वच्छता से जुड़ा उद्योग सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनेगा
- भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित हुई इकाई

वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार और उद्योगों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश की औद्योगिक क्षमता कई गुना बढ़ रही है। इसी का परिणाम है कि भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का भूमिपूजन अगस्त 2024 में हुआ था और महज दो साल में यहां उत्पादन शुरू हो गया। मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली से इस संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा-यह शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ का निवेश किया गया है, जिसकी सालाना कारोबार क्षमता 300 करोड़ रुपए है। इससे बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों के स्वास्थ्य व स्वच्छता से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, जो आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।



पहली पसंद बना मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा- उद्योग-मित्र नीतियों, ऑनलाइन भूमि आवंटन, सिंगल विंडो सिस्टम और 30 दिन में व्यवसाय शुरू करने की सुविधा के कारण मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। राज्य में 19 हजार एकड़ क्षेत्र में 48 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश टेक्सटाइल क्षेत्र में भी अग्रणी है, जहां 100 इकाइयों और 43 हजार से ज्यादा एमएसएमई के माध्यम से वित्त वर्ष 2025 में 11,750 करोड़ का टेक्सटाइल निर्यात दर्ज किया गया है।

कृषि कॉलेज के उद्घाटन पर बोले मोहन भागवत

भारत के पारंपरिक ज्ञान में छिपा विकास का एक नया मॉडल

नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर जिले के रामटेक में दत्ता मेघे फाउंडेशन के पशु चिकित्सा और कृषि कॉलेज के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत अपने पारंपरिक ज्ञान के बल पर दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे सकता है। आज पूरी दुनिया समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि इंसान, पशु और प्रकृति आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। आधुनिक दुनिया ने प्रकृति को केवल उपभोग की वस्तु माना, जिसके गंभीर परिणाम सामने आए हैं। इसके विपरीत, भारत प्राचीन काल से ही वन हेल्थ यानी एकीकृत स्वास्थ्य की अवधारणा का पालन करता रहा है, जो मानव, पशु और पर्यावरण की भलाई को एक साथ जोड़ती है।



सबकी भलाई का ध्यान हो

भागवत ने संयम, जैव विविधता संरक्षण और ऐसी जीवनशैली अपनाने पर बल दिया जिसमें सबकी भलाई का ध्यान हो। उन्होंने देसी नस्लों की अनदेखी पर चिंता जताते हुए आत्मनिर्भरता को देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए जरूरी बताया।

जम्मू-कश्मीर से लापता दो पुलिस जवानों के शव मिले

शरीर गोलियों से छलनी, दोनों के हथियार भी गायब

दोनों अफसर सेना के साथ जंगल में सर्चिंग पर गए थे

वेब वार्ता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मारवाह के जंगल में बुधवार शाम को लापता हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो एसपीओ के शव मिले हैं। दोनों शव गोलियों से छलनी हैं। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब हैं। दोनों सेना के साथ इलाके में सर्चिंग के लिए गए थे। जब वे लापता हुए थे, तब जंगल से फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है। दोनों एसपीओ के लापता होने के दौरान इसी इलाके में एयरटेल नेटवर्क सेवाएं बाधित होने की जानकारी भी सामने आई थी।

खाई में गिरी इलेक्ट्रिक वैन, 10 लोगों की मौत

महराजगंज। नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार को भीषण हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन सड़क से 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। मधेश प्रदेश 03-001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सलार्ही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी-कुलेखानी-काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।



नेपाल में भीषण सड़क हादसा, पांच घायल

अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.09 फीसदी बढ़ी

आरबीआई की सीमा पार, भारत में महंगाई ने तोड़ा दो साल का रिकॉर्ड

वेब वार्ता, नई दिल्ली

देश में महंगाई ने आम आदमी को बड़ा झटका दिया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर महीने में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.09 फीसदी पर पहुंच गई है। सितंबर में यह दर 5.5 फीसदी थी। दो साल में यह पहला मौका है जब मुद्रास्फीति ने आरबीआई की निर्धारित सहिष्णुता सीमा का उल्लंघन किया है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को महंगाई दर दो से छह फीसदी के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है, लेकिन ताजा आंकड़े इस ऊपरी सीमा को पार कर चुके हैं।



रसोई का बजट बिगड़ा

त्योहारी सीजन के दौरान खाने-पीने की जरूरी चीजों के दामों में आए भारी उछाल के कारण खुदरा महंगाई बेकाबू हुई है। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर के 7.75 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में 8.94 फीसदी पर पहुंच गई। सब्जियों और प्रमुख खाद्यान्नों की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है।

प्रोटीन के दामों में भारी उछाल

साल की शुरुआत से अब तक प्याज की कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। इसके अलावा मांस, मछली, दूध, अंडे, फल और खाद्य तेल जैसी श्रेणियों में भी महंगाई लगातार बढ़ रही है। कई जरूरी खाद्य पदार्थों में दोहरे अंक की महंगाई दर्ज की जा रही है। लगातार 12वें महीने उपभोक्ता कीमतों में तेजी के इस सिलसिले से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं।

अहम फैसला अंतर-धार्मिक विवाह पर बॉम्बे हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, पुलिस कानून के दायरे में रहकर करे कार्रवाई

जीवनसाथी चुनने की आजादी में बाधा नहीं धर्म या जाति

वेब वार्ता, मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अंतर-धार्मिक विवाह से जुड़े एक महत्वपूर्ण केस की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि एक बालिग महिला को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की पूरी स्वतंत्रता है। अदालत ने जोर देकर कहा कि इस निर्णय में किसी का धर्म, जाति या आस्था आड़े नहीं आ सकती। जस्टिस अद्वैत एम सेठना और जस्टिस रंजीतसिंह राजा भोंसले की अवकाशकालीन पीठ ने यह टिप्पणी एक 21 वर्षीय हिंदू महिला की आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसने एक मुस्लिम युवक से विवाह करने के बाद अपने परिजनों से मिल रही धमकियों से बचने के लिए पुलिस सुरक्षा की गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ता महिला ने अदालत को बताया कि वह पिछले चार-पांच वर्षों से 21 वर्षीय मुस्लिम युवक के साथ प्रेम संबंध में थी। दोनों के परिवार इस रिश्ते से भली-भांति परिचित थे। दोनों ने 19 अक्टूबर, 2026 को विवाह कर लिया।



संविधान मिला अधिकार: महिला के वकील आरके मेंडडकर ने दलील दी कि याचिकाकर्ता पूरी तरह बालिग है। अपने जीवन के फैसले स्वयं लेने में सक्षम है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 2018 के ऐतिहासिक शफीन जहां बनाम अशोकन केएम फैसले का हवाला देते हुए कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का अभिन्न हिस्सा है।

शादी के बाद परिजनों ने दी धमकियां

शादी के बाद जोड़े को परिवार की ओर से विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उन्होंने सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क किया। धारावी पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। इसी बीच, उसके माता-पिता उसे जबरन यूपी ले गए। किसी तरह मुंबई वापस लौटने के बाद, महिला ने अपनी जान-माल की सुरक्षा और पति के साथ रहने के अधिकार के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

पुलिस निभाए अपनी ड्यूटी

पीठ ने पुलिस अधिकारियों के आचरण पर कोई सीधा आरोप तय नहीं किया, लेकिन याचिका का निपटारा करते हुए सख्त संदेश दिया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर किसी विस्तृत टिप्पणी की जरूरत नहीं है, लेकिन यह स्वत: स्पष्ट है कि पुलिस प्रशासन कानून के दायरे में रहकर और नियमों के अनुरूप ही अपना कर्तव्य निभाएगा।

जेंसेन हुआंग का एनवीडिया के सभी पदों से इस्तीफा

चीन की जासूस से अफेयर पर बवाल के बीच ऐलान

फाइनेंस चीफ कोलेट क्रेस को मिली कंपनी की कमान

एजेंसी ■ वाशिंगटन

दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों में शामिल एनवीडिया में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी के को-फाउंडर जेंसेन हुआंग ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कंपनी के प्रेसिडेंट, सीईओ और बोर्ड मेंबर का पद छोड़ दिया है। उनका इस्तीफा तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। कंपनी के बोर्ड ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब जेनसेन हुआंग के एक चीनी महिला के साथ रिश्ते को लेकर विवाद चल रहा है। महिला पर चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का शक है। एनवीडिया ने कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ बनाया है। वह कंपनी की चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर हैं। सीईओ की जिम्मेदारी मिलने के बाद भी वह सीएफओ का पद संभालती रहेंगी।



घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान



विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा। जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है।

यमुना की लहरों पर दिल्ली की नई उड़ान, पर्यटन और विरासत का नया संगम



विनोद सिंह 'तकियावाला'

भारतीय सभ्यता और संस्कृति की साक्षी रही यमुना नदी अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पर्यटन की एक नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दिल्ली के पर्यटन इतिहास में 10 नवंबर 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हुआ, जब सोनिया विहार-जगतपुर के बीच 'नमो यमुना रिवर सफारी' क्रूज सेवा का शुभारम्भ किया गया। यमुना की लहरों पर इलेक्ट्रिक क्रूज की यह यात्रा केवल मनोरंजन की नई सुविधा नहीं, बल्कि राजधानी की ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक आस्था, पर्यावरण अनुकूल परिवहन और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को एक साथ जोड़ने की पहल है।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा सांसद मनोज तिवारी सहित केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि दिल्ली में यमुना का उल्लेख सामान्यतः प्रदूषण, जलस्तर और नदी की सफाई से जुड़ी चुनौतियों के संदर्भ में होता रहा है। ऐसे में नदी के एक हिस्से को पर्यटन और जनसहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करना एक नई सोच को सामने रखता है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के नेतृत्व में इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का सहयोग शामिल है। यह केंद्र और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वित विकास का उदाहरण है।

जलमार्गों के विकास में नई संभावनाएँ ⁼केंद्रीय मंत्री का संदेश: केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यमुना में मनोरंजक क्रूज सेवा के शुभारम्भ को भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन और नदी पर्यटन की संभावनाओं से जोड़ते हुए जलमार्गों के बहुआयामी उपयोग पर बल दिया। उनकी इस पहल के पीछे मूल विचार नदियों को केवल जल संसाधन अथवा माल परिवहन के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यटन, यात्री सुविधा और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करना है। इलेक्ट्रिक क्रूज का संचालन स्वच्छ ऊर्जा आधारित जल परिवहन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। इससे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निवासियों को अपने ही शहर में नदी पर्यटन का नया अनुभव मिलेगा। भारत सरकार के आधिकारिक आँकड़े इस क्षेत्र में हुए विस्तार की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। देश में राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या बढ़कर 111 हो चुकी है। इनकी कुल घोषित लंबाई 20,187 किलोमीटर है, जो 23 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों में फैली है। इनमें से 32 जलमार्ग परिचालन की स्थिति में हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय जलमार्गों पर माल परिवहन 145.84 मिलियन मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा।



वित्त वर्ष 2013-14 में यह मात्रा केवल 18.10 मिलियन मीट्रिक टन थी। इसी प्रकार राष्ट्रीय जलमार्गों पर यात्री यातायात 2023-24 के 1.61 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में लगभग 7.64 करोड़ तक पहुँच गया। ये आँकड़े बताते हैं कि देश में जलमार्गों का उपयोग परिवहन के साथ यात्री सेवाओं और पर्यटन के लिए भी तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया आस्था और आधुनिकता का संगम: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में यमुना के प्रति दिल्लीवासियों की धार्मिक आस्था, प्रेम और श्रद्धा को इस परियोजना का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'नमो यमुना रिवर सफारी' महज क्रूज अथवा नाव की सवारी नहीं, बल्कि मां यमुना के साथ लोगों के भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का एक अवसर है। उनके अनुसार, अब दिल्लीवासियों को अपने परिवार और बच्चों के साथ राजधानी में ही यमुना के प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव दिल्ली के पर्यटन विकल्पों में एक नया आकर्षण जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ नदी की स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उनका दृष्टिकोण इस परियोजना को एक व्यापक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का है, जहाँ परिवारों के लिए मनोरंजन, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। यह पहल छठ महापर्व से पहले शुरू होने के कारण विशेष महत्व रखती है। छठ पर्व में यमुना सहित नदियों और जलाशयों के प्रति पूर्वांचल तथा बिहार-झारखंड के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा की परिकल्पना ⁼क्रूज से आगे मनोरंजन परिसर: दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस परियोजना को केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और संबंधित एजेंसियों का साझा प्रयास बताया। उन्होंने सोनिया विहार में विकसित मनोरंजन क्षेत्र की सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल क्रूज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को परिवारों और पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना है। यहाँ बच्चों के लिए खेल और गेमिंग क्षेत्र, खानपान की सुविधा, फूड जोन, खरीदारी तथा अन्य मनोरंजन गतिविधियों की व्यवस्था विकसित की गई है। शाम के समय भगवान श्रीकृष्ण और यमुना मैया की थीम पर आधारित संगीतमय फव्वारे का आकर्षण भी इस परिसर का हिस्सा है। मंत्री के अनुसार, पर्यटकों के लिए प्रवेश सुबह नौ बजे से शुरू करने और रात लगभग नौ बजे तक अंतिम टिकट जारी करने की व्यवस्था बताई गई है। भविष्य में पर्यटकों की संख्या और मांग को देखते हुए क्रूज नौकाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना है। इससे स्थानीय कारोबारियों, खानपान संचालकों, परिवहन सेवाओं और अन्य छोटे व्यवसायों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

छह किलोमीटर का सफर, इलेक्ट्रिक क्रूज और यात्रियों की सुरक्षा: 'नमो यमुना रिवर सफारी' सोनिया विहार से जगतपुर के बीच लगभग छह किलोमीटर के आने-जाने वाले मार्ग पर आधारित है। अक्टूबर 2026 में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने अधिकारियों के साथ क्रूज का परीक्षण किया था। परीक्षण के दौरान मार्ग, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा से जुड़े पहलुओं का निरीक्षण किया गया।

मुंगेर की छठ परंपरा : सीताचरण, मुद्गल ऋषि और गंगा से शारदा सिन्हा के गीतों तक

बिहार में छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, लोकजीवन, कृषि संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ी ऐसी परंपरा है, जिसमें सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। लेकिन बिहार के मुंगेर में छठ का महत्व एक विशिष्ट ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भ के कारण और बढ़ जाता है। यहां गंगा के बीच स्थित सीताचरण, महर्षि मुद्गल की परंपरा, उत्तरवाहिनी गंगा की धार्मिक मान्यता और लोकगायिका शारदा सिन्हा के गीतों में मुंगेर का उल्लेख इस पर्व को एक अलग पहचान प्रदान करते हैं। मुंगेर की छठ परंपरा को समझना दरअसल बिहार की लोकस्मृति, धार्मिक आख्यान और सांस्कृतिक विरासत को समझना भी है। मुंगेर की छठ परंपरा का सबसे विशिष्ट पक्ष गंगा के बीच स्थित सीताचरण मंदिर है। गंगा की धारा के बीच एक विशाल शिलाखंड पर बने चरणचिह्नों को स्थानीय श्रद्धालु माता सीता के चरणचिह्न मानते हैं। इस स्थान को सीताचरण अथवा मणिपाषाण के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने यहां महर्षि मुद्गल के आश्रम में रहकर सूर्योपासना की थी। उन्होंने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का व्रत किया था। इसी मान्यता के कारण सीताचरण का महत्व छठ के अवसर पर विशेष रूप से बढ़ जाता है। इस परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक संदर्भ आनंद रामायण में मिलता है। स्थानीय शोधकर्ताओं और इस विषय पर उपलब्ध विवरणों के अनुसार, आनंद रामायण के सीता और मुद्गल प्रसंग में इस क्षेत्र से जुड़ी मान्यता का उल्लेख किया जाता है। कथा के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम और माता सीता महर्षि मुद्गल के आश्रम पहुंचे थे। महर्षि मुद्गल ने माता सीता को सूर्योपासना करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने सूर्यदेव की आराधना की। इसी प्रसंग को मुंगेर की छठ परंपरा से जोड़ा जाता है।



आनंद रामायण का प्रसंग धार्मिक आख्यान का स्रोत है, आधुनिक इतिहास की तरह किसी घटना की स्वतंत्र तिथि और पुरातात्विक पुष्टि नहीं।मुंगेर में छठ की एक विशिष्ट स्थानीय परंपरा विद्यमान है, जिसे माता सीता और महर्षि मुद्गल की कथा से

कुमार कृष्णन

जोड़ा जाता है। इस संदर्भ में 1926 में प्रकाशित मुंगेर जिला गजेटियर महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें गंगा के बीच स्थित उस शिलाखंड और चरणचिह्नों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें स्थानीय परंपरा में माता सीता के चरण माना जाता रहा है। गजेटियर का महत्व इस बात में है कि वह इस धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यता के पुराने अस्तित्व का दस्तावेजी संदर्भ उपलब्ध कराता है। इससे स्पष्ट होता है कि सीताचरण की परंपरा हाल के वर्षों में विकसित हुई कोई नई जनश्रुति नहीं है। हालांकि, गजेटियर में किसी धार्मिक मान्यता का उल्लेख उस कथा की ऐतिहासिक सत्यता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

मुंगेर का संबंध महर्षि मुद्गल से जोड़ने वाली परंपरा यहां के नामकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यता और पुराने विवरणों में इस क्षेत्र को मुद्गलपुर अथवा मुद्गलगिरि कहा गया है। समय के साथ नाम के परिवर्तित होकर मुंगेर बनने की व्याख्या भी प्रचलित है। स्थानीय ऐतिहासिक विवरणों में मुद्गल ऋषि से जुड़ी इस परंपरा का संदर्भ मिलता है। इससे मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान में ऋषि परंपरा की उपस्थिति का पता चलता है। इस प्रकार छठ की स्थानीय कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक स्मृति से भी जुड़ जाती है। मुंगेर की दूसरी बड़ी विशेषता उत्तरवाहिनी गंगा है। कष्टहरणी घाट के सामने गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है। धार्मिक मान्यता में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना जाता है। कष्टहरणी घाट का नाम भी अपने भीतर एक अर्थ समेटे हुए है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से मनुष्य के कष्ट दूर होते हैं। इस घाट का धार्मिक महत्व रामायणकालीन लोकमान्यताओं और स्थानीय ऋषि परंपरा से भी जोड़ा जाता है। गंगा के इस स्वरूप ने मुंगेर को धार्मिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान दी है।

कष्टहरणी घाट और सीताचरण का आपसी संबंध मुंगेर की छठ परंपरा को और विशिष्ट बनाता है। एक ओर गंगा का पवित्र तट है, दूसरी ओर नदी के बीच वह शिलाखंड है, जिसे माता सीता की सूर्योपासना से जोड़ा जाता है। छठ के अवसर पर श्रद्धालु नावों से सीताचरण पहुंचते हैं और वहां सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। गंगा की धारा, नावों की आवाजाही, व्रतियों के गीत और सूर्य को अर्पित किए जाने वाले अर्घ्य के बीच लोकआस्था का ऐसा वातावरण निर्मित होता है, जो मुंगेर की धार्मिक संस्कृति का विशिष्ट परिचय देता है।

मुंगेर में छठ का आयोजन केवल सीताचरण तक सीमित नहीं है। कष्टहरणी घाट, बबुआ घाट, सोझी घाट, जेल घाट और कंकड़ घाट सहित शहर के अनेक गंगा घाटों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटते हैं। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तालाबों, पोखरों और जलाशयों पर छठ मनाया जाता है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के चार दिनों में पूरा समाज पर्व की तैयारी में जुट जाता है। परिवारों की पीढ़ियां एक साथ दिखाई देती हैं और व्रतियों के प्रति सहयोग तथा सम्मान का भाव सामाजिक जीवन को एक सूत्र में बांधता है।

मुंगेर की छठ परंपरा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका लोकसांगीतिक स्वरूप भी है। छठ के गीतों में मुंगेर का उल्लेख बिहार की लोकस्मृति में इस शहर की उपस्थिति को प्रमाणित करता है।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है

प्रहलाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए? विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं। 11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।

फीचर



अब एमबीए नहीं आईटी और सीएस बना पहली पसंद

आज के समय में अच्छी नौकरी के लिए एमबीए को सबसे जरुरी माना जाता है। माना जाता है कि एमबीए करने के बाद करियर के रास्ते तेजी से खुलते हैं, सैलरी भी बढ़िया मिलती है और नौकरी की संभावनाएं भी ज्यादा रहती हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नौकरी देने वाली डिग्रियों की तस्वीर अब बदल रही है। एमबीए कई सालों तक टॉप पर रहा, वह अब पीछे खिसक गया है। उसकी जगह अब एक अलग ही फील्ड ने कब्जा जमा लिया है। यह फील्ड कंप्यूटर साइंस और आईटी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में युवाओं के लिए नौकरी के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, खासकर ऐसे सेक्टर्स में जिनका सीधा संबंध टेक्नोलॉजी और डिजिटल स्किल्स से है। आज, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हो रहा है। कंपनियां चाहती हैं कि उनके पास ऐसे कर्मचारी हों जो नई टेक्नोलॉजी को समझते हों और बदलते समय के साथ खुद को अपडेट रख सकें।

ऐसे में कंप्यूटर साइंस और आईटी ग्रेजुएट्स की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा नौकरी कंप्यूटर साइंस और आईटी वाले युवाओं को मिल रही है। इसका कारण कंपनियों में एआई और ऑटोमेशन का तेजी से बढ़ता उपयोग है, डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार, डेटा की बढ़ती जरूरत, साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने पर जोर है। कंपनियां ऐसे युवाओं को चाहती हैं जो सिर्फ कोडिंग ही नहीं बल्कि इंजीनियरिंग और डेटा हैंडलिंग दोनों में अच्छे हों यानी आज की दुनिया में टेक्निकल और एनालिटिकल स्किल रखने वालों की डिमांड सबसे ज्यादा है। आज सबसे ज्यादा नौकरी आई टी सेक्टर दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक 35 फीसदी युवाओं कोआईटी क्षेत्र में नौकरी मिल रही है। यह आंकड़ा दिखाता है कि भारत में टेक्नोलॉजी से जुड़े करियर आने वाले कई सालों तक मजबूत बने रहेंगे।

प्रेरणा

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है- दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है! एक ने कहा, हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है। दूसरा कहता है,



खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं। टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या। हमारी दोनों प्रकार की समस्याएं हैं-काल्पनिक समस्याएं और यथार्थ समस्याएं। ये हमारे मनोबल को कमजोर करती हैं। जिस व्यक्ति का मनोबल कम होता है, वह व्यक्ति इस दुनिया में अपराधी का जीवन जीता है। दुर्बलता खुद एक अपराध है।

अपनी बात



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मुझे विश्वास है कि नगर निकाय, नागरिक और विशेषज्ञ समुदाय, सब मिलकर अपने नगरों को ऐसे विकसित करेंगे कि वे स्वच्छ दिखेंगे और स्वस्थ बनेंगे। साथ ही, वे पर्यावरण संरक्षण और सुशासन के उत्कृष्ट उदाहरण बनेंगे। किसी एक संस्था के अकेले के प्रयासों से स्वच्छता के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इसके लिए हर नागरिक, हर घर, हर समुदाय और हर शहर की सहभागिता आवश्यक है।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने बढ़ते प्रदूषण लेवल की चिंताओं के बावजूद लोगों को पटाखों के साथ त्योहार मनाने की इजाजत दी। जश्न के बारे में बात करते हुए सीएम योगी ने कहा, सभी ने अयोध्या का दीपोत्सव देखा होगा। कैसा लगा। बढ़िया था न और दीपावली कैसी लगी। लोगों ने दीपावली मनाई और बहुत सारे लोग कह रहे हैं कि प्रदूषण हो गया और अरे हमने कहा-प्रदूषण हो गया है तो समाप्त भी हो जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ी ठंड और प्रदूषण की मार

वेब वार्ता । नई दिल्ली



दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। नवंबर का महीना आधा बीत चुका है और ठंड ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में लगातार पारा नीचे गिर रहा है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की संभावना है।

सुबह और शाम की कड़ाके की ठंड के साथ-साथ अब लोगों को दिन में भी हल्की ठंड का एहसास होने लगेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट पर जारी स्थानीय मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, 12 नवंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, 13 नवंबर को तापमान 29 डिग्री से 16 डिग्री तक रहने की संभावना है। 14 नवंबर से मौसम में और गिरावट देखने को मिलेगी, जहां अधिकतम तापमान 29 डिग्री रहने के बावजूद न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक सिमट सकता है।15 नवंबर से ठंड और बढ़ेगी, जहां तापमान 28 डिग्री से 15 डिग्री तक गिर जाएगा। 16 और 17 नवंबर को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों सुबह के समय हल्की धुंध छाई रहेगी, जिसके बाद आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम में आ रहे इस बदलाव के साथ ही वायु प्रदूषण ने भी अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है।

सुबह-सुबह पूरा एनसीआर धुंध की मोटी चादर में लिपटा हुआ देखा जा सकता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब यानी 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों की बात करें तो आईआईटी दिल्ली में एक्यूआई 416 दर्ज किया गया है, जो कि खतरनाक स्तर पर है। आईटीओ क्षेत्र में एक्यूआई 399, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 302, जहांगीरपुरी में 342, झरोदा कलान में 304 और जेएनयू में एक्यूआई 380 तक पहुंच गया है।

इसके अलावा इहबास दिलशाद गार्डन में 338, एयरपोर्ट (टी3) पर 315, आईजीएनओयू मैदान गढ़ी में 257 और आईएमडी लोधी रोड पर 256 एक्यूआई दर्ज किया गया है। दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद की हवा भी लगातार जहरीली होती जा रही है। नोएडा के सेक्टर-62 में एक्यूआई 387 तक पहुंच गया है, जो 400 के आंकड़े के बेहद करीब है। सेक्टर-125 में 286, सेक्टर-110 में 278, सेक्टर-1 में 271, सेक्टर-150 में 255 और सेक्टर-39 में 245 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां लोनी में एक्यूआई 315, न्यू तहसील-लोनी में 304, संजय नगर में 322, वसुंधरा में 307, वेद विहार-लोनी में 319 और वेव सिटी में एक्यूआई 322 दर्ज किया गया है।गाजियाबाद के गोविंदपुरम में 210 और इंदिरापुरम में 171 एक्यूआई दर्ज किया गया है। एक्यूआई का स्तर 300 से ऊपर जाने पर स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, ऐसे मौसम में सांस के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। सुबह के समय कोहरा और प्रदूषण दोनों मिलकर स्मॉग (धुंध) का रूप ले लेते हैं, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे सुबह की सैर से बचें और बाहर निकलते समय मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

स्वच्छ सर्वेक्षण में एनडीएमसी को दूसरा स्थान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

वेब वार्ता । नई दिल्ली



नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्वच्छता के क्षेत्र में एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्टता साबित की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में 50 हजार से 3 लाख तक की आबादी वाले शहरी स्थानीय निकायों की श्रेणी में एनडीएमसी को 'स्वच्छ शहर' का दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। बुधवार को विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एनडीएमसी को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। परिषद की ओर से अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी और उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने पुरस्कार ग्रहण किया।

इस अवसर पर एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि यह सम्मान परिषद के स्वच्छता, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, आधुनिक तकनीक और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी का उद्देश्य केवल स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर स्थान हासिल करना नहीं, बल्कि नागरिकों और राजधानी में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ, स्वस्थ और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। इनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के संकल्प को साकार करने की दिशा में परिषद के प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, कनॉट प्लेस, चाणक्यपुरी, जनपथ, खान मार्केट और सरोजिनी नगर जैसे व्यस्त क्षेत्रों में प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही के बावजूद स्वच्छता के उच्च मानक बनाए रखना बड़ी चुनौती है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, मशीनीकरण और समर्पित सफाई कर्मचारियों की मदद ली जा रही है।परिषद ने सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 11 मैकेनिकल रोड स्वीपर, 20 गॉब्लर मशीनों और विशेष जेटिंग उपकरणों का इस्तेमाल शुरू किया है। रात्रिकालीन सफाई अभियान के साथ सुबह के समय फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों की प्रेशर-जेट मशीनों से सफाई की जा रही है। इसके अलावा 14 विभागाध्यक्षों को सर्कल नोडल अधिकारी बनाकर 'बियॉन्ड ऑफिस सर्कल' पहल के तहत निगरानी और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था की गई है।

एनडीएमसी प्रतिदिन लगभग 300 टन नगरपालिका ठोस कचरे का प्रसंस्करण कर रही है, जबकि उसकी कुल उपलब्ध क्षमता 509 टन प्रतिदिन है। आठ माइक्रो मटेरियल रिकवरी सुविधाओं और रिड्यूस, रीयूज एवं रीसाइकिल केंद्रों के माध्यम से कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, 'अनुपम कॉलोनियां' पहल के तहत नौ आवासीय कॉलोनियों में घरों से ही कचरे का पृथक्करण और जैविक कचरे का विकेंद्रीकृत प्रसंस्करण किया जा रहा है।परिषद ने नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए 'रोको-टोको अभियान', कचरा मुक्त बाजार पहल और जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए हैं। एनडीएमसी 311 मोबाइल एप और टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1533 के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का डिजिटल निस्तारण किया जा रहा है। गौरतलब है कि एनडीएमसी को वर्ष 2020 में सबसे स्वच्छ राजधानी, वर्ष 2022 में एक से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ छोटा शहर और वर्ष 2023 में सबसे स्वच्छ केंद्र शासित प्रदेश का सम्मान मिल चुका है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में भी परिषद को 'सुपर स्वच्छ लीग सिटी' के रूप में मान्यता दी गई थी। एनडीएमसी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने सफाई कर्मचारियों, अधिकारियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, बाजार संघों और जागरूक नागरिकों के सामूहिक प्रयासों को दिया है। परिषद ने राजधानी को स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ शहर बनाने के लिए अपने प्रयास आगे भी जारी रखने का संकल्प दोहराया।

सोनिया विहार में डंपर-ऑटो की भिड़ंत नवजात समेत तीन की मौत, पांच घायल

वेब वार्ता । नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार पुश्ता पर बुधवार रात डंपर और सवारियों से भरे ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतकों में एक नवजात बच्ची भी शामिल है।

वहीं, तीन साल की बच्ची हादसे में सुरक्षित बच गई। घायलों को उपचार के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक मृतक की पहचान चौहान पट्टी निवासी सतवीर के रूप में हुई है। सतवीर का मूल पता गांव बहोरा, कासगंज उत्तर प्रदेश बताया गया है। सतवीर 7 नवंबर को दीवाली मनाने के लिए गांव गए थे। पत्नी मोनी व छह माह की बेटी कनिका पहले ही गांव चले गए थे।बुधवार रात सतवीर पत्नी व बेटी को लेकर बस से कासगंज से आनंद विहार बस अड्डे पहुंचे। शेयरिंग ऑटो लेकर चौहान पट्टी जा रहे थे। सोनिया विहार पुश्ता रोड पर डंपर ने ऑटो में टक्कर मार दी। सतवीर ट्रोनिका सिटी क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करते थे।वहीं, इस हादसे में एक लेडी घायल हो गई, जो गर्भवती थी। उसका मिसकैरेज हो गया है। अभी यह नहीं पता कि महिला कितने माह की गर्भवती है। घायल महिला का नाम राखी है।पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात हादसे की सूचना मिली। ऑटो मानेसर की तरफ से आ रहा था और सभापुर गांव की तरफ से। डंपर (डीएल-1एलवाई-5990) और ऑटो (डीएल-1आरएबी-5531) की आपने सामने से टक्कर हुई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही पुलिस और स्थानीय लोग घायलों को अस्पताल ले जा चुके थे।हादसे में राजा (32) और राखी (30) समेत पांच लोग घायल हुए हैं। वहीं, दो अज्ञात पुरुषों और एक नवजात बच्ची को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। एक तीन साल की बच्ची सुरक्षित है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। सोनिया विहार थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फ्लाइट में बिगड़ी 6 साल की बच्ची की तबीयत, मौत- दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा परिवार

नई दिल्ली। छह साल की जैनब नब मोहम्मदी की फ्लाइट में तबीयत बिगड़ने के बाद मौत के मामले में माता-पिता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका के अनुसार, आठ सितंबर 2026 को लंदन से दिल्ली आ रही वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट में जैनब बेहोश हो गई। आरोप है कि फ्लाइट में उसका बीपी नहीं नापा जा सका, बच्चों के लिए कैनुला नहीं था और आईजीआई एयरपोर्ट पर 12 साल से कम उम्र के बच्चे के लिए इलाज की सुविधा नहीं थी।

दिल्ली के शास्त्री पार्क में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में देर रात डीटीसी की एक इलेक्ट्रिक बस में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई और जलकर पूरी तरह खाक हो गई।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, दमकलकर्मियों के पहुंचने तक बस काफी हद तक जल चुकी थी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस चालक के शराब के नशे में होने और अभद्रता करने का आरोप लगाया है।जानकारी के मुताबिक, दमकल विभाग को बुधवार रात शास्त्री पार्क इलाके में एक डीटीसी इलेक्ट्रिक बस में आग लगने की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि बस एक सड़क के ब्रेकर में फंस गई थी। इसी दौरान उसमें आग लग गई और कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी।

रामानुजन कॉलेज में अभाविप का प्रदर्शन

वेब वार्ता । नई दिल्ली



नई दिल्ली।

एनएसयूआई का पुतला दहन; एनआईए जांच के साथ कठोर कार्रवाई की मांग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज में एनएसयूआई पदाधिकारी अनस खान से जुड़े छात्राओं की गरिमा एवं सुरक्षा को प्रभावित करने वाले गंभीर प्रकरण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया तथा उनका पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित व्हाट्सएप चैट में छात्राओं को पुरुषों के साथ समय बिताने के बदले आर्थिक लाभ, यात्रा, कॉन्सर्ट पास एवं अन्य सुविधाओं का प्रलोभन दिए जाने संबंधी गंभीर आरोप सामने आए हैं। इन संदेशों में छात्राओं की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व के आधार पर चयन किए जाने जैसी आपत्तिजनक बातें भी सामने आई हैं। इस पूरे प्रकरण ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में गहरा आक्रोश उत्पन्न किया है। मामले की गंभीरता, संभावित संगठित नेटवर्क तथा मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों की आशंका को देखते हुए अभाविप ने पूरे प्रकरण की राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने और इसमें संलिप्त प्रत्येक दोषी के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अभाविप ने कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर कांग्रेस एवं एनएसयूआई की राजनीतिक बयानबाजी और उनसे जुड़े विभिन्न प्रकरणों में सामने आए तथ्यों के बीच गंभीर विरोधाभास दिखाई देता है। रामानुजन कॉलेज के ठरवकपदाधिकारी अनस खान से जुड़ा वर्तमान प्रकरण हो, वर्ष 2018 में ठरवक के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप हों, अथवा कांग्रेस सांसद एवं पूर्व प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम से जुड़ा हालिया मामला इन सभी घटनाक्रमों ने संगठनात्मक जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े किए हैं। वर्ष 2018 में फिरोज खान ने अपने विरुद्ध लगे आरोपों के बीच ठरवक राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। वहीं, प्रो. बिमोल अकोइजाम के विरुद्ध एनआईए की आंतरिक समिति की जांच और यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के बाद विश्वविद्यालय ने सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया था, हालांकि 2 नवंबर 2026 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। उनके विरुद्ध दर्ज एफआईआर और न्यायिक प्रक्रिया के बीच इस मामले में सभी तथ्यों का निष्पक्ष रूप से सामने आना आवश्यक है। मणिपुर से कांग्रेस सांसद प्रो. बिमोल अकोइजाम से जुड़ा यह घटनाक्रम भी महिला सुरक्षा के विषय पर कांग्रेस की संगठनात्मक जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा, अनस खान से जुड़े इस पूरे प्रकरण ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को गहरा आघात पहुंचाया है। छात्राओं को आर्थिक प्रलोभन देकर इस प्रकार के प्रस्ताव देना और शिकायत करने पर उन्हें धमकाया जाना अत्यंत गंभीर विषय है। हमारी स्पष्ट मांग है कि पूरे मामले की ठक्अ जांच कराई जाए, जिससे इसके पीछे सक्रिय संभावित नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और सभी संबंधित कड़ियों का खुलासा हो सके। महिला सुरक्षा पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले कांग्रेस और एनएसयूआई के नेताओं को अपने संगठन से जुड़े ऐसे गंभीर मामलों पर भी जवाब देना चाहिए। छात्राओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पंजाबी बाग प्रदूषण हॉटस्पॉट का नोडल सचिव ने किया निरीक्षण

रेलवे साइडिंग यार्ड में आवाजाही पर रोक

वेब वार्ता । नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के नोडल सचिव रूपेश कुमार ठाकुर ने गुरुवार को पंजाबी बाग स्थित वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट का निरीक्षण कर प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुपालन का जायजा लिया और संबंधित विभागों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि नोडल सचिव ने 28 अक्टूबर को किए गए पिछले निरीक्षण के दौरान रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड से उड़ने वाली धूल के कारण हो रहे प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए यार्ड को सील करने सहित कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की स्थिति जानने के लिए उन्होंने गुरुवार को दोबारा संबंधित स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रेलवे प्रशासन ने यार्ड में बैरिकेडिंग कर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल की एक चौकी स्थापित करने के साथ जवानों की तैनाती भी की गई है, ताकि परिसर में किसी भी प्रकार की अनधिकृत आवाजाही और गतिविधियों को रोका जा सके। नोडल सचिव ने इन व्यवस्थाओं को धूल प्रदूषण पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।ठाकुर ने पंजाबी बाग हॉटस्पॉट के अलावा अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, सड़कों पर उड़ने वाली धूल, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों, कचरे के जमाव तथा प्रदूषण के अन्य स्थानीय स्रोतों की स्थिति की समीक्षा की।निरीक्षण के बाद दिल्ली नगर निगम के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों ने हॉटस्पॉट की मौजूदा स्थिति, विभिन्न विभागों की ओर से किए गए कार्यों और आगे प्रस्तावित सुधारात्मक उपायों की जानकारी दी।

दिल्ली में युवकों ने एक घर पर डंडों और पत्थरों से हमला किया, मामला दर्ज

नई दिल्ली ।। बाहरी दिल्ली के रनहोला इलाके में कुछ अज्ञात युवकों द्वारा एक घर पर डंडों और पत्थरों से हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

घटना का कथित सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें 6 -7 लड़के एक घर के दरवाजे पर डंडों से हमला करते और पथराव करते दिख रहे हैं।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार देर रात करीब 2:15 बजे इस संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना दी गई।अधिकारी ने बताया कि इसके एक बाद रनहोला थाने की एक टीम मौके पर पहुंची, जहां उनकी मुलाकात साई एन्क्लेव निवासी अजय प्रताप से हुई।अधिकारी के मुताबिक, अजय प्रताप ने पुलिस को बताया कि उनके घर के सामने उनके परिवार का एक अन्य मकान है और कुछ अज्ञात युवक उस मकान के सामने खड़े होकर शोर मचा रहे थे और कह रहे थे कि उनके भाई पर हमला करने वाले व्यक्ति से वे बदला लेंगे।शिकायतकर्ता ने बताया कि ऐसा लग रहा था कि युवकों का किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाद हुआ था, लेकिन उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं थी। जब वह अपने घर से बाहर आए तो सभी युवक मौके से भाग गए।अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अजय प्रताप के बयान के आधार पर रनहोला थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।पुलिस ने बताया कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के लिए एक टीम गठित की गई है।अधिकारी ने कहा कि युवकों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है भाजपाः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं ने महंगाई, जातिगत राजनीति, मणिपुर में पार्टी की नियुक्तियों और जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता उदित राज ने मदर डेयरी और अमूल के उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार को घेरा।कांग्रेस नेता उदित राज ने मदर डेयरी द्वारा दूध के दामों में बढ़ोतरी किए जाने पर कहा, ''आश्चर्य है कि जब एलपीजी सिलेंडर कभी 400 रुपए का था, तब भाजपा भारी विरोध करती थी। अब 1,000 रुपए हो गया है, लेकिन जनता निकल नहीं रही है। किसी देश का सत्यानाश अगर करना हो, तो उस देश की जनता को पाखंड में फंसा दो। पाखंड में फंसा दिया गया है। वरना प्याज के दाम बढ़ने पर यहां 1998 में सरकार चली गई थी। लेकिन आज के समय में क्या हालात हैं? उसी तरीके से चाहे मदर डेयरी का दूध हो या अमूल का प्रोडक्ट, सब रोज महंगे होते जा रहे हैं। सरसों का तेल जब से ये सत्ता में आए हैं, दो गुना से ज्यादा महंगा हो गया है। जो कीमत 70 साल में नहीं बढ़ी थी, वह इन्हीं के समय में दोगुनी हो गई।''जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी बिमोल अकोईजम को कांग्रेस की ओर से मणिपुर चुनाव में जिम्मेदारी दिए जाने के सवाल पर उदित राज ने भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को पहले अपने दामन में झांकना चाहिए और उसके बाद कांग्रेस की ओर से बनाई गई कमेटी पर सवाल उठाने चाहिए। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड का जिक्र करते हुए भाजपा पर आरोप लगाया कि मामले से जुड़े आरोपी को राज्यपाल बना दिया गया। उदित राज ने कहा कि अभी बिमोल अकोईजम पर आरोप लगे हैं, इसलिए भाजपा को पहले अपने मामलों पर जवाब देना चाहिए। इसके बाद ही उसे कांग्रेस की नियुक्तियों पर सवाल उठाना चाहिए।अखिलेश यादव को चुनावी हिंदू बताए जाने पर उदित राज ने भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले यह बताया जाना चाहिए कि हिंदू कौन है। उदित राज ने कहा कि राजनीतिक दल वोट लेने के लिए सभी को हिंदू बताते हैं, लेकिन शादी-विवाह, सामाजिक संबंधों और आपसी व्यवहार की बात आती है, तो जाति को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब हिंदू एकता की इतनी बात की जाती है, तो पहले एक गांव को ही पूरी तरह हिंदू बनाकर दिखाया जाए।कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने भी अखिलेश यादव पर चुनावी हिंदू होने के आरोप को लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

भारत मंडपम में कल से सजेगा 45वां व्यापार मेला

वेब वार्ता । नई दिल्ली



भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाला 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) इस बार विकास और विरासत के संगम के रूप में नजर आएगा। 'विकास और विरासत' थीम पर आधारित मेले में देश-विदेश के 3500 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे।

17 हॉल में एक लाख वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में लगने वाले इस मेले में 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अलावा 11 देशों की भागीदारी होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 13 नवंबर को मेले का उद्घाटन करेंगे। इस बार मेले का खास आकर्षण करीब 600 स्टार्टअप होंगे, जिन्हें हॉल ऑफ इंस्पिरेशन में जगह दी जाएगी। यहां डीप टेक, कृषि तकनीक, ड्रोन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और शिक्षा तकनीक से जुड़े नए प्रयोग और उत्पाद देखने को मिलेंगे। वहीं, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पवेलियन में 21 राज्यों के पारंपरिक उत्पाद, हस्तशिल्प, खानपान और स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा।

चार राज्य होंगे पार्टनर, चार फोकस में

मेले में बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश पार्टनर राज्य होंगे, जबकि असम, दिल्ली, झारखंड और पश्चिम बंगाल फोकस राज्यों के रूप में शामिल होंगे। ये राज्य अपने स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प, पर्यटन, पारंपरिक उत्पादों और विकास योजनाओं को प्रदर्शित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में थाईलैंड, ईरान, घाना, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश सहित 11 देशों के प्रदर्शक शामिल होंगे।

मेले में इस बार प्लेवर्स@मंडपम नाम से डिजिटल मनोरंजन और शैक्षणिक गतिविधियों का विशेष अनुभव भी मिलेगा। 90 से अधिक आउटलेट वाले फूड कोर्ट में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। सात अलग-अलग स्थलों पर 87 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें शास्त्रीय और लोक संगीत के साथ मंगनियार सेडक्शन, सलिम-सुलेमान, हरिहरन एवं पृथ्वी गंधर्व जैसे कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल हैं। कुछ कार्यक्रमों में प्रवेश मेले के टिकट से होगा, जबकि चुनिंदा प्रस्तुतियों के टिकट बुकमाईशो पर उपलब्ध होंगे।

मेले के शुरुआती पांच दिन यानी 14 से 18 नवंबर तक बिजनेस डेज होंगे। इस दौरान प्रवेश बीटूबी आगंतुकों के लिए आरक्षित रहेगा। आम लोगों के लिए मेला 19 नवंबर से 27 नवंबर तक खुलेगा। मेले का समय सुबह 10 बजे से शाम 7:30 बजे तक रहेगा। आम दर्शकों को शाम 5:30 बजे तक प्रवेश मिलेगा।टिकट ऑनलाइन, आईआईटीएफ के आधिकारिक मोबाइल एप और दिल्ली मेट्रो के 55 स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे। सामान्य दिनों में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को वैध सरकारी पहचान पत्र दिखाने पर निशुल्क प्रवेश मिलेगा। दर्शकों के लिए दिल्ली मेट्रो, शटल सेवा, कैब और ऑटो के निर्धारित पिकअप प्वाइंट तथा पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है।आईआईटीएफ के अध्यक्ष जावेद अशरफ के अनुसार, पिछले वर्ष मेले में करीब 18 लाख दर्शक पहुंचे थे। इस बार इससे अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

छठ पूजा : बिहार और पूर्वांचल के लिए आज चलेंगी 24 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली से बिहार और पूर्वांचल के विभिन्न इलाकों में अपने घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ा दी है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से गुरुवार को दिल्ली से 31 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। वहीं, शुक्रवार को भी दिल्ली के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों से 24 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक, शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात और शकूरबस्ती स्टेशन से पांच विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली जंक्शन और रोहतक स्टेशन से एक-एक स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की भीड़ और ट्रेनों की मांग पर लगातार नजर रखी जा रही है। यदि यात्रियों की संख्या में और बढ़ोतरी होती है तो जरूरत के अनुसार स्पेशल ट्रेनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी न हो। रेलवे की ओर से गुरुवार को भी दिल्ली के विभिन्न स्टेशनों से 31 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। इनमें नई दिल्ली स्टेशन से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से पांच विशेष ट्रेनें शामिल थीं। इसके अलावा सराय रोहिल्ला और रोहतक स्टेशन से भी एक-एक स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने नौवें जौनपुर महोत्सव का किया शुभारंभ

52 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

वेब वार्ता । टिहरी गढ़वाल



मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के अंतर्गत थत्यूड़ में आयोजित 'नौवें जौनपुर महोत्सव' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री राजकीय इंटर कॉलेज, थत्यूड़ स्थित हेलीपैड पहुंचे, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा उनका जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। वर्ष 2016 से, ₹जौनपुर महोत्सव₹ पहल की शुरुआत क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति एवं पारंपरिक विरासत को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई।

इस मंच पर क्षेत्रीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान कर स्थानीय लोकगीत, लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित किया जाता है। इसके साथ ही, खेल गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय खिलाड़ियों को भी एक सशक्त मंच उपलब्ध कराया जाता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना, उनका मनोबल बढ़ाना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा जनपदवासियों को ₹52 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात दी गई। इनमें ₹30 करोड़ की 11 योजनाओं का लोकार्पण तथा ₹22 करोड़ की 15 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। उक्त योजनाएं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई एवं सामुदायिक विकास योजना से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि 'जौनपुर महोत्सव' जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, लोक परंपराओं और विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलता है। उन्होंने खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से उत्तराखण्ड के युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने, सख्त नकल विरोधी कानून बनाने तथा लैंड जिहाद के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 13 हजार एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विगत पांच वर्षों में प्रदेश के लगभग 35 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में रोजगार प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी झील के चारों ओर रिंग रोड निर्माण का कार्य गतिमान है तथा तिवाड़ गांव को होम स्टे गांव के रूप में विकसित किया गया है। प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए एक जनपद एक उत्पाद जैसी योजनाओं के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हिमालय हाट जैसे प्रयास भी स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में ग्राम सभा साबली के प्रगतिशील कृषक कबूल चंद पुंडीर के कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारपूर्ण कार्यों की सराहना की। उन्होंने सेब मिशन के अंतर्गत सेब उत्पादन के साथ-साथ अदरक, कीवी, केसर, पुष्प, आलू एवं रोजमैरी जैसी विभिन्न पहाड़ी फसलों की खेती कर स्वरोजगार एवं आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

हरभजन सिंह ने सीएम धामी से की मुलाकात

उत्तराखंड में खेल सुविधाओं के विकास पर हुई चर्चा

वेब वार्ता । देहरादून



पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने गुरुवार को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरभजन सिंह का स्वागत करते हुए भारतीय क्रिकेट में उनके उल्लेखनीय योगदान और शानदार उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपनी बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी से विश्व क्रिकेट में अलग पहचान बनाने वाले हरभजन सिंह का खेल जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। हरभजन सिंह ने मुलाकात के बाद कहा कि मुख्यमंत्री के साथ उत्तराखंड में खेल व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने खेलों के भविष्य को लेकर अपने विचार साझा करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। गौरतलब है कि हरभजन सिंह भारतीय क्रिकेट के दिग्गज ऑफ स्पिन गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्हें भज्जी और टर्बनेटर के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा 236 वनडे मैचों में 269 और 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 25 विकेट उनके नाम दर्ज हैं।

कुंभ के करोड़ों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

- राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने स्वच्छता व्यवस्था पर भी घेरा

वेब वार्ता । हरिद्वार



कांग्रेस ने कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर सरकार और मेला प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, थर्ड पार्टी ऑडिट और स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। उन्होंने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता जांचने के लिए इंजीनियरिंग टेस्टिंग लैब स्थापित करने और स्थायी पुलों के निर्माण की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

आलोक शर्मा ने कहा कि कुंभ की तैयारियों के नाम पर सरकार करोड़ों रुपये के निर्माण कार्य करा रही है, लेकिन कई कार्यों में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने मेला प्रशासन से कुंभ कार्यों की थर्ड पार्टी ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा कि ऑडिट किस एजेंसी से कराया जा रहा है और उसकी जांच का दायरा क्या है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता परखने के लिए इंजीनियरिंग टेस्टिंग लैब की व्यवस्था जरूरी है। पुरानी कंक्रीट की टेस्टिंग भी कराई जानी चाहिए थी, लेकिन इस दिशा में आवश्यक इंतजाम नहीं किए गए। उन्होंने स्थायी पुलों के निर्माण की स्थिति को लेकर भी प्रशासन से जवाब मांगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्वच्छता रैंकिंग में हरिद्वार को कोई स्थान नहीं मिला। गंगा बंदी के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाने के बावजूद धरातल पर अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

2027 में कांग्रेस की सरकार बनाना ही मेरा लक्ष्य

मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर हूंः हरीश रावत

वेब वार्ता । देहरादून



उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताते हुए कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनाना है। रावत ने स्पष्ट किया कि यदि पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करती है तो उन्हें मुख्यमंत्री या किसी अन्य पद की कोई इच्छा नहीं है।

हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री पद के लिए कई योग्य नेता मौजूद हैं। पार्टी का मुख्य उद्देश्य भाजपा सरकार को सत्ता से हटाकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उन्हें बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री तक की जिम्मेदारियां सौंपी हैं। ऐसे में अब उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लगातार जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को याद दिला रहे हैं। इसके साथ ही भाजपा सरकार की कथित नाकामियों को भी जनता के सामने रख रहे हैं। उनका कहना है कि आगामी चुनाव में जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।हरीश रावत ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाना और मामले में कथित रूप से जुड़े वीआईपी को सजा दिलाना जरूरी है। उन्होंने इस मुद्दे को प्रदेश की राजनीति और न्याय की लड़ाई से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया।

मिड-डे मील घोटाले को लेकर सरकार पर निशानाः रावत ने स्कूली बच्चों के मिड-डे मील और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाले पोषण आहार से जुड़े कथित घोटाले को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के हक का राशन हड़पकर करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हरीश रावत के इस बयान को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की चुनावी रणनीति और पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो पक्षों के बीच जमकर हुआ विवाद, आठ गिरफ्तार



वेब वार्ता । देहरादून

राजधानी देहरादून के रायपुर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग मचाने और आपस में मारपीट पर उतारू होने वाले आठ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने सभी के खिलाफ शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका के चलते धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है।पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जिलेभर में सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करने, लड़ाई-झगड़ा करने और शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में 11 नवंबर 2026 की शाम थाना रायपुर पुलिस को सूचना मिली कि रायपुर क्षेत्र में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया है। दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज और झगड़ा करते हुए मारपीट पर उतारू हैं।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्ष शांत होने के बजाय और उग्र हो गए। स्थिति बिगड़ने और संज्ञेय अपराध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने मौके से दोनों पक्षों के कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

ऑनलाइन पढ़ाई को रोचक बनाएगी गेम-बेस्ड लर्निंग

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को ऑनलाइन शिक्षा में गेम-बेस्ड लर्निंग की संभावनाओं पर संगोष्ठी आयोजित की गई। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून के वित्तीय सहयोग से संचालित शोध परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन पढ़ाई को अधिक रोचक, प्रभावी और सहभागितापूर्ण बनाने पर चर्चा हुई।कार्यक्रम का संचालन प्रो. जितेन्द्र पांडे ने किया।

यूकोस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने तकनीक के साथ शिक्षण कौशल विकसित करने पर जोर दिया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि शिक्षण पद्धतियों में नवाचार विद्यार्थियों के कौशल विकास में सहायक है।आईआईटी खड़गपुर के डॉ. कौशल कुमार भगत ने गेम-बेस्ड लर्निंग और गैमिफिकेशन के अंतर को समझाया। उन्होंने पैक-मैन और मारियो जैसे खेलों के उदाहरण देकर गेम डिजाइन तथा कम्प्यूटेशनल थिंकिंग की जानकारी दी।

आईएएस आशिमा गोयल ने नगर आयुक्त का कार्यभार संभाला



- आईएएस आशिमा गोयल ने संभाली नगर आयुक्त की जिम्मेदारी
- ट्रंचिंग ग्राउंड से लेकर सफाई व्यवस्था पर रहेगा फोकस

वेब वार्ता । हल्द्वानी

आईएएस आशिमा गोयल ने गुरुवार को हल्द्वानी-काठगोदाम नगर निगम के नगर आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया। चार्ज ग्रहण करते ही उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि गोलापार स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड को पूरी तरह साफ कराना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। नगर आयुक्त ने कहा कि सड़क, सीवरेज और कूड़ा निस्तारण जैसी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा। लोगों को छोटी-बड़ी शिकायतों के लिए नगर निगम के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर रहेगा। उन्होंने बताया कि ट्रंचिंग ग्राउंड में जमा पुराने कूड़े (लेगेसी वेस्ट) के साथ रोजाना निकलने वाले कूड़े का भी प्रभावी निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए दूसरी मशीन शुरू कर दी गई है। इससे पुराने कूड़े के निस्तारण में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों को ध्यान में रखते हुए बेहतर प्लानिंग और मजबूत व्यवस्थाओं के साथ शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक बनाने पर काम किया जाएगा।

हरिद्वार में आधुनिक कामधेनुलोक गौशाला का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

वेब वार्ता । हरिद्वार





मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सप्तऋषि स्थित श्री कृष्णायन देसी गौरक्षाशाला के आधुनिक कामधेनुलोक गौशाला भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय आस्था, संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग होने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का माध्यम भी है। प्रदेश में 72 पंजीकृत और नौ अनुबंधित गोसदनों के माध्यम से 16 हजार से अधिक निराश्रित गोवंश को संरक्षण दिया जा रहा है। वहीं, 63 स्थानों पर नई गौशालाओं के निर्माण के लिए भूमि चिह्नित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौसंरक्षण को केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे प्राकृतिक खेती, जैविक खाद, बायोगैस और कृषि नवाचारों से जोड़ना जरूरी है। इससे किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि में मशीनों का उपयोग बढ़ने से गोवंश, विशेषकर नंदियों की पारंपरिक उपयोगिता में बदलाव आया है। ऐसे में उनके संरक्षण के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशने होंगे।

उन्होंने बताया कि ग्राम्य गोसेवक योजना पायलट परियोजना के रूप में शुरू की गई है। बद्री गाय के घी और दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए चमोली में तीन वृद्धि केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवंश के प्रति क्रूरता और गौहत्या जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्य में समाज की भागीदारी भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कामधेनुलोक गौशाला गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और आध्यात्मिक पर्यटन का उदाहरण बनेगी। वर्ष 2027 के कुंभ को लेकर सड़क, यातायात, पुल, संपर्क मार्ग, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं के साथ आधुनिक तकनीक से भीड़ प्रबंधन की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने संस्था से जुड़े संतों और सेवकों को बधाई दी।

11 गोवंश से शुरू हुआ सफर, पांच राज्यों में 35 हजार गोवंश की सेवा

मुख्यमंत्री ने श्री कृष्णायन देसी गौरक्षाशाला के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि संस्था ने वर्ष 2010 में मात्र 11 गोवंश के संरक्षण से अपनी यात्रा शुरू की थी। आज पांच राज्यों में 15 से अधिक गौशालाओं के माध्यम से 35 हजार से अधिक गोवंश की सेवा की जा रही है। हरिद्वार में भी हजारों निराश्रित, घायल, वृद्ध और बीमार गोवंश को आजीवन आश्रय दिया जा रहा है। इनमें बड़ी संख्या नंदियों की है। संस्था की पांच विशेष वाहनयुक्त गौसेवा एम्बुलेंस अब तक पांच हजार से अधिक गोवंश को बचाकर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचा चुकी हैं।

दर्दनाक सड़क हादसे में तीन की मौत



अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में बीती रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सेराघाट-जागेश्वर मोटर मार्ग पर हरड़ा गांव में बंदीखोला मंदिर के पास हुआ। दुर्घटना रात करीब 10:30 पर हुए हादसे की जानकारी गुरुवार मिली। सुबह स्थानीय लोगों ने मैक्स गाड़ी को सड़क से करीब 400 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद खाई से तीनों लोगों के शव बाहर निकाले। पुलिस के अनुसार मृतकों में ड्राइवर हयात सिंह गैड़ा, बसंती देवी और उनकी बेटी अंजली गैड़ा हैं। बताया जा रहा है कि मां-बेटी पिथौरागढ़ से लौट रही थीं, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया।

भजनों की धुन पर झूमेगा हल्द्वानी, पहली बार होगा 'युवा उत्सव भजन क्लबिंग



वेब वार्ता । हल्द्वानी

युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से हल्द्वानी में पहली बार 'युवा उत्सव भजन क्लबिंग' का आयोजन 14 नवंबर को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में होगा। कार्यक्रम को लेकर नगर निगम सभागार में महापौर गजराज सिंह बिष्ट और आयोजक संस्था एसएएम दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने संयुक्त प्रेस वार्ता की।

प्रेस वार्ता में एसएएम की निदेशक साध्वी डॉ. शिवानी भारती और दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के स्वामी उमेशानंद मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में पारंपरिक भक्ति संगीत को आधुनिक संगीत शैली के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना है।महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि युवा देश की वर्तमान शक्ति और राष्ट्र परिवर्तन के प्रमुख वाहक हैं। स्वामी विवेकानंद के आत्मविश्वास, साहस, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा के विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ आज से, 36 घंटे का कठिन व्रत

- 13 नवंबर को नहाय-खाय से होगी चार दिवसीय पूजा की शुरुआत, 15 को डूबते और 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे श्रद्धालु

वेब वार्ता । हरिद्वार



सूर्य उपासना, लोक आस्था और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना का महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती शुद्धता, नियम और परंपरा के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करेंगे। 13 नवंबर को नहाय-खाय से पर्व का आगाज होगा, जबकि 14 नवंबर को खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। 15 नवंबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य और 16 नवंबर की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा।

ज्योतिषाचार्य रितेश कुमार तिवारी ने बताया कि छठ पर्व का विशेष संबंध कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से है। इस दौरान भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा की जाती है। मान्यता है कि सूर्यदेव को अर्घ्य देने से आरोग्य, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने बताया कि पहले दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन खरना पर गुड़ की खीर सहित पारंपरिक प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण कर व्रती निर्जला उपवास शुरू करते हैं। तीसरे दिन नदी, तालाब और जलाशयों के किनारे पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाने वाला यह पर्व अब देश के दूसरे हिस्सों में भी व्यापक रूप से मनाया जाता है। हरिद्वार में भी छठ को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। घरों में पूजा सामग्री और पारंपरिक प्रसाद तैयार करने की शुरुआत हो गई है।

छठ पूजा का कार्यक्रम

13 नवंबर : नहाय-खाय
14 नवंबर : खरना और निर्जला व्रत की शुरुआत
15 नवंबर : शाम 5:20 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य
16 नवंबर : सुबह 6:44 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य और व्रत का पारण

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए महिला की हत्या, तीन गिरफ्तार



वेब वार्ता । रामनगर

किशनपुर छोई में महिला की निर्मम हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक वारदात पुरानी रंजिश और बदले की भावना में अंजाम दी गई।

आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडे, लोहे का पाना और पत्थर समेत वाहन बरामद किया गया है।10 नवंबर को ग्राम किशनपुर छोई निवासी विमला देवी (56) का शव घर के बाहर मिला था। शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिलने पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में रामनगर पुलिस और एसओजी ने आसपास के सीसीटीवी खंगाले। फुटेज में तीन लोग महिला से मारपीट कर उसे जबरन ले जाते और बाद में वाहन से शव फेंकते दिखाई दिए।जांच में मुख्य आरोपी मोहित फर्त्याल (32) की पहचान हुई। पुलिस के अनुसार उसके पिता की पूर्व में हुई हत्या का बदला लेने के लिए उसने सैरान (21) और मो. अब्बूजर (22) के साथ मिलकर वारदात की। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम को एसएसपी ने दो हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है।

ब्रीफ न्यूज़

बिहार में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ का असर आस्था के महापर्व छठ पर पड़ रहा

हाजीपुर। बिहार के हाजीपुर में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ की तबाही का असर अब लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी दिखाई देने लगा है। कभी गंगा किनारे स्थित घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते थे, लेकिन इस बार हालात बदल गए हैं। नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण करीब 20 गांवों के लोगों को अपने पारंपरिक छठ घाटों से दूरी बनानी पड़ी है। सुरक्षा को देखते हुए इन गांवों के श्रद्धालु अब अपने घरों और गांवों में ही कृत्रिम छठ घाट बनाकर पूजा-अर्चना की तैयारी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि बाढ़ और गंगा नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण इलाके के करीब 20 गांव प्रभावित हुए हैं।नदी के किनारे लगातार जमीन का कटाव हो रहा है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए घाट तक पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में सभी प्रभावित गांवों के लोगों ने अपने-अपने गांवों में कृत्रिम छठ घाट बनाने का फैसला लिया है।

धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की 5,517 घटनाएं दर्ज

चंडीगढ़। पंजाब में धान की कटाई के साथ ही पराली जलाने की घटनाएं एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगी हैं। 11 नवंबर को राज्य में पराली जलाने के 515 नए मामले सामने आए। इससे पहले 10 नवंबर को 345 घटनाएं दर्ज की गई थीं यानी एक ही दिन में पराली जलाने के मामलों में 170 की बढ़ोतरी हुई। 15 सितंबर से शुरू हुए मौजूदा धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की कुल 5,517 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। पिछले साल के मुकाबले इस बार पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। 11 नवंबर 2025 तक राज्य में 4,507 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल इसी अवधि में यह आंकड़ा बढ़कर 5,517 हो गया है यानी पिछले साल की तुलना में इस बार 1,010 ज्यादा घटनाएं सामने आई हैं. जोकि बेहद चिंताजनक है।

स्कूल में कक्षा 5 की छात्रा ने कक्षा 6 की छात्रा को पीटा! 14 दिन बाद छात्रा की मौत

बागपत। यूपी के बागपत जिले के कोतवाली क्षेत्र के नयागांव उर्फ हमीदाबाद के प्राथमिक स्कूल में दो छात्राओं के बीच कुछ दिन पहले हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल 10 साल की छात्रा मिस्ठी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिजनों ने दूसरी छात्रा पर पेट और सीने में लात मारने का आरोप लगाया है। नयागांव की रहने वाली बच्ची के पिता पवन ने बताया कि उनकी बेटी मिस्टी गांव के प्राथमिक स्कूल में कक्षा छह में पढ़ती थी। 28 अक्टूबर वह स्कूल गई थी। आरोप है कि स्कूल में कक्षा पांच की एक छात्रा से उसका विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों में मारपीट होने लगी। इस दौरान मिस्टी जमीन पर गिर गई। आरोप है कि दूसरी छात्रा ने उसके पेट और सीने में लात मारी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। स्कूल से घर पहुंचे पर मिस्टी ने परिवार को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।



गिरने से कई लोग उसमें दब गये। उसी के बाद राहत व बचाव में लगे आपदा राहत दल के सदस्य।

पाकिस्तान पर हुए दो बड़े हमले, 10 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पर एक ही दिन में हुए दो बड़े हमलों ने सुरक्षा व्यवस्था और अशांति की पोल खोल दी है। खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी हैदर जमान और सब-इंस्पेक्टर मुख्तियार समेत 10 पुलिसकर्मी मारे गए और उनकी गाड़ियां जला दी गईं। वहीं, बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने एक मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया, जिससे देश की प्रमुख व्यापारिक और रणनीतिक नसें कट गईं। रिपोर्ट के मुताबिक कोहाट में यह हमला गुंबत इलाके के पास हुआ, जब पुलिस अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही थी। टीटीपी के आतंकवादियों ने पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर मोर्चा संभाल कर पुलिस काफिले पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। ऊंचाई का फायदा उठाकर आतंकियों ने पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। हमले में पुलिस की पांच मोबाइल गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं और 10 पुलिसकर्मी मौत के शिकार हो गए। इस घटना के बाद पूरे गुंबत इलाके में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बता दें इससे पहले बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के खाडकोचा इलाके में बलूच अलगावादी विद्रोहियों ने क्वेटा और करांची को जोड़ने वाले मुख्य नेशनल हाईवे पर एक अहम पुल को बम से उड़ा दिया। यह पुल पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सैन्य लॉजिस्टिक्स के लिए अत्यधिक अहम था। पुल के ध्वस्त होते ही दोनों बड़े शहरों के बीच का सड़क संपर्क ठप हो गया, जिससे सड़कों पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें लग गईं। यह हमला बलूच विद्रोहियों द्वारा पाकिस्तानी सेना को सीधी चुनौती देने का प्रतीक है।

जेन्सेन हुआंग विवाद में आया नया मोड़, एलिस हुआंग के 'सीक्रेट पति' का चला पता

कांग वेई चीन का एक बड़ा बिजनेस टाइकून है, इस साल शंघाई पुलिस ने उसे पकड़ा था

वेब वार्ता, नई दिल्ली

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग से जुड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। चीनी जासूस मानी जा रही एलिस हुआंग के साथ अफेयर की बात कबूलने के बाद दुनिया भर के टेक सेक्टर में हड़कंप मच गया है। अब इस मामले में एक नया ट्विस्ट सामने आया है। एलिस हुआंग का एक 'सीक्रेट पति' भी निकल आया है, जिसका नाम कांग वेई है। अब पूरी दुनिया यह जानना चाहती है कि आखिर जिसने एनवीडिया सीईओ को फंसाया, उसकी सीक्रेट पति आखिर कौन है? कांग वेई चीन का एक बड़ा बिजनेस टाइकून और फंड मैनेजर है, जो इसी साल की शुरुआत में शंघाई पुलिस ने हिरासत में लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग वेई साल 2010 से ही एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग को जानता था और आरोप हैं कि उसने अपनी पत्नी एलिस को जेन्सेन से मिलवाया था। 1970 के दशक में जन्मे कांग वेई को एक



समय चीन के म्यूचुअल फंड सेक्टर का चमकता सितारा माना जाता था उसने महज 32 साल की उम्र में 'झोंगहाई फंड' की कमान संभाली और चीन में किसी फंड कंपनी चलाने करने वाले सबसे युवा चीफ बने। इसके बाद उसने शंघाई में 'हेक्सी इन्वेस्टमेंट' नाम से एक बड़ी प्राइवेट इक्विटी फर्म बनाई, लेकिन कांग वेई का सुनहरा करियर बहुत तेजी से ढलान की ओर चला गया। उस पर स्टॉक हेरफेर और इनसाइडर ट्रेडिंग के गंभीर आरोप लगे। शंघाई पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और चीन के सिक्योरिटीज रेगुलेटर ने कांग की कंपनी पर नियमों के उल्लंघन और इनसाइडर ट्रेडिंग के लिए लाखों डॉलर का जुर्माना लगाया।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग वेई और एलिस हुआंग का कनेक्शन 2015 से शुरू हुआ, जब एलिस ने कांग की कंपनी 'हेक्सी कैपिटल' जॉइन की। देखते ही देखते एलिस कंपनी में कोर शेयरहोल्डर और सीनियर एग्जीक्यूटिव बन गई। चीनी वित्तीय सूत्रों के मुताबिक कंपनी के अंदरूनी जानकारों ने पुष्टि की है कि कांग और एलिस आपस में पति-पत्नी हैं। हालांकि, वर्तमान में उनके रिश्ते की सही स्थिति साफ नहीं है। मीटिंग्स के दौरान कांग बार-बार अपनी पत्नी एलिस के एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग के साथ कनेक्शन का हवाला देता था ताकि बिजनेस खड़ा करने और फंड जुटाने में मदद मिल सके। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग ने अपनी पत्नी लोरी हुआंग को धोखा देने की बात खुले तौर पर कबूल की। इस पूरे मामले ने अब राजनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का रूप ले लिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने पहले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जानकारी दी थी कि एलिस हुआंग एक चीनी जासूस हो सकती है, जो जेंसेन हुआंग के करीब है। ट्रंप ने जेंसेन हुआंग का बचाव करते हुए उन्हें एक 'सम्मानित व्यक्ति' बताया है, हालांकि ट्रंप ने ये भी साफ किया कि एफबीआई अलग से इस मामले की जांच में जुटी हुई है। अमेरिकी संसद की तीन अहम कमेटियों के अध्यक्षों ने जेंसेन हुआंग को 18 नवंबर तक संसद के सामने पेश होकर सफाई देने का समन भेजा है। एनवीडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या कंपनी के सीईओ को किसी विदेशी खुफिया एजेंसी यानी चीनी इंटेलिजेंस ने निशाना बनाया था। बोर्ड का कहना है कि उन्हें फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा या एनवीडिया के सीक्रेट्स के साथ कोई समझौता हुआ है, लेकिन वे हर पहलू की जांच करेंगे। जांच को निष्पक्ष रखने के लिए बोर्ड ने एक प्रतिष्ठित कानूनी फर्म को नियुक्त किया है। एनवीडिया सीईओ, एक संदिग्ध चीनी महिला जासूस और शंघाई जेल में बंद उसके बिजनेस टाइकून पति का ये पूरा ड्रामा सिर्फ एक पर्सनल अफेयर का मामला नहीं रह गया है। यह कॉरपोरेट जासूसी, चीनी वित्तीय घोटालों और अमेरिका-चीन के बीच चल रही टेक्नोलॉजी की जंग का एक बड़ा सेंटर बन चुका है।

अवैध संबंध से बच्चे को जन्म देने पर महिला को मिली 100 कोड़ों की सजा

वेब वार्ता, दुबई



रोजी-रोटी की तलाश में अपना देश छोड़कर हजारों किलोमीटर दूर सऊदी अरब पहुंची केन्याई महिला एस्थर वांजा मुथोनी को वहां एक मिस्त्री शख्स के साथ शादी के बाहर संबंध बनाने और एक बच्चे को जन्म देने के मामले में 100 कोड़ों की सजा सुनाई गई है। सऊदी अरब में घरेलू कामगार के तौर पर काम कर रही मुथोनी की जिंदगी तब एक अनचाहे तूफान से घिर गई, जब बच्चे के जन्म के बाद यह मामला अथॉरिटीज तक पहुंच गया। वह हाउसकीपर और नैनी का काम करती थी और किसी तरह अपनी जिंदगी चला रही थी।

एस्थर वांजा मुथोनी का इसी दौरान एक मिस्त्री शख्स से रिश्ता बना और वह गर्भवती हो गईं। उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। समस्या तब शुरू हुई जब मुथोनी ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। सऊदी अरब के कानून के तहत, अस्पतालों को शादी के बाहर बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं की जानकारी अधिकारियों को देना अनिवार्य होता है। यानी, जिस अस्पताल में एक मां अपने बच्चे को जन्म देने पहुंची थी, वहीं से उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता भी खुल गया। डू बोल्ड नामक संस्था की एक जानकार का कहना है कि अधिकांश अविवाहित महिलाएं अस्पताल जाने से बचती हैं और घर पर ही बच्चों को जन्म देती हैं, जिसके चलते ऐसे कई मामले सामने ही नहीं आ पाते। मुथोनी ने बताया कि जिस मिस्त्री व्यक्ति से उनका रिश्ता था, वह बच्चे के जन्म के बाद सऊदी अरब छोड़कर चला गया। मुथोनी अकेली रह गईं और उनके पास अपनी स्थिति से निकलने का कोई आसान रास्ता नहीं था। बच्चे के जन्म के बाद अब मुथोनी को सऊदी कानून के तहत इस कठोर सजा का सामना करना पड़ रहा है। पिछले महीने सुनाए गए फैसले के बाद से मुथोनी को 100 कोड़ों की मार का डर सता रहा है। उन्होंने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें आशंका है कि वह इतनी कठोर सजा झेल नहीं पाएंगी और वह इसके लायक नहीं हैं।

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, मची अफरा-तफरी जान बचाकर भागे लोग

यात्रियों को कर्मचारियों को निकाला बाहर

वेब वार्ता, तेलअवीव

इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते



ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसको देखते हुए इजराइली होम फ्रंट कमांड ने साल 2027 को भूकंप तैयारी वर्ष घोषित किया है। इस पूरे साल कई प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित किए जाएंगे, ताकि भविष्य में संभावित बड़े भूकंपों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से मचा हड़कंप

रोम। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है। इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी। मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है।



पोलैंड के वारसा में आजादी की 108 वीं सालगिरह पर लोग एक मार्च निकाले हुए।

तीखा हमला सुभाष बोले- कांग्रेस और देश के लिए राव के योगदान को जानबूझकर नजरअंदाज किया

नरसिम्हा राव के पोते ने सोनिया गांधी की किताब को बताया झूठ का पुलिंदा

वेब वार्ता, तिरुवनंतपुरम

भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के पोते एन.वी. सुभाष ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरणों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने किताब को 'झूठ का पुलिंदा' बताते हुए आरोप लगाया कि इसमें गांधी परिवार के सत्ता में रहने के दौरान हुई ऐतिहासिक गलतियों का उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किताब में उनके दादा पी.वी. नरसिम्हा राव के कांग्रेस और देश के लिए योगदान को भी जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है।



एक बातचीत में सुभाष ने कहा कि राव के परिवार के लिए किताब में उनका पर्याप्त उल्लेख नहीं होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने जानबूझकर राव के योगदान को नजरअंदाज किया होगा। उनके मुताबिक गांधी परिवार की पुरानी आदत रही है कि वह कांग्रेस के अपने ही नेताओं को कमतर दिखाता रहा है, ताकि परिवार के सदस्यों को अधिक महत्व मिल सके।

सुभाष ने किताब में विरोधाभास होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सोनिया गांधी ने अपने संस्मरणों में यह बात कही है कि वह नहीं चाहती थीं कि उनके पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी राजनीति में आएं, जबकि दूसरी ओर उन्होंने अपने बच्चों को मुख्यधारा की राजनीति में आगे बढ़ाया और भविष्य में अगली पीढ़ी के राजनीति में आने की संभावना भी बनी हुई है। उन्होंने इसे 'पाखंड' करार दिया।

भाजपा नेता ने बाबरी मस्जिद विध्वंस के संदर्भ में भी सोनिया गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर उनका भावुक होना समाज के एक वर्ग को खुश करने की कोशिश है। सुभाष ने कहा कि राम जन्मभूमि को लेकर लंबे समय तक कानूनी संघर्ष चला और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ। उन्होंने कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि पार्टी पिछले दो दशक से लगातार विभिन्न राज्यों में हार का सामना कर रही है और कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। उनके अनुसार, यह किताब कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच गांधी परिवार की पकड़ बनाए रखने की कोशिश है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने ट्रंप ने भेजे अपने दो दूत

वेब वार्ता, वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। उन्होंने अपने दो प्रमुख दूतों, दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को भेजा है, जहां वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने बातचीत करेंगे। जानकारों के मुताबिक अगले 48 घंटों में होने वाली इन बैठकों से यूरोप में जारी इस युद्ध को रोकने के लिए कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। यह अहम राजनयिक प्रयास रातों-रात शुरू नहीं हुआ। इसकी नींव कुछ दिन पहले आबू धाबी में रखी गई थी, जहां रूस, यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों के बीच दो दिनों तक गुप्त बैठकें हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक यह फरवरी के बाद पहला मौका था जब तीनों देशों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर मंथन कर रहे थे। जानकारों ने बताया कि कुशनर और विटकॉफ ने इन बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आबू धाबी से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अब ये दूत सीधे मॉस्को पहुंच रहे हैं ताकि पुतिन के साथ शांति समझौते के जटिल पेंचों को सुलझाया जा सके। ट्रंप के इन दूतों का क्रेमलिन में सीधा प्रवेश इस बात का पुख्ता प्रमाण है।

ब्रीफ न्यूज

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है। कंपनी ने कहा कि दो नवंबर, 2026 को विशेष प्रस्ताव के माध्यम से शेयरधारकों से मिली मंजूरी के तहत उसे निर्गम के लिए निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर पांच प्रतिशत तक की छूट देने का अधिकार भी मिला है।

एचएफसीएल को 834 करोड़ के निर्यात ठेके मिले

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए करीब 834.36 करोड़ रुपये (लगभग 88.94 करोड़ डॉलर) के निर्यात ठेके मिले हैं। ठेके जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने ग्राहक की पहचान उजागर नहीं की। एचएफसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ये ठेके कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और उत्पादों की गुणवत्ता में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल फाइबर केबल की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये के नए निवेश को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था आंतरिक स्रोतों से जुटाई गई राशि और कर्ज के जरिये की जाएगी। इसके जुलाई 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट की पंप्ड स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया।

जानकारों का मानना- ज्यादा कर लगाने से तस्करी को मिलता है बढ़ावा

आयात शुल्क बढ़ने से भारत में 136 टन आपूर्ति सोने का 37 फीसदी अवैध रास्तों से आया

वेब वार्ता, नई दिल्ली

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सोने की तस्करी में भारी वृद्धि हुई है। जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही में भारत में सोने की तस्करी बढ़कर करीब 50 टन हो गई, जबकि एक साल पहले इस अवधि में यह आंकड़ा करीब 3 टन था। यह 16 गुना से भी ज्यादा की यह वृद्धि सरकार द्वारा आयात शुल्क को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने के बाद आई है। इस तिमाही में भारत की कुल 136 टन सोने की आपूर्ति का करीब 37 फीसदी हिस्सा अवैध रास्तों से आया, जबकि आधिकारिक सोने का आयात 70 फीसदी घटकर 64 टन रह गया।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 1.49 करोड़ रुपए में बिकने वाले एक किलो सोने पर करीब 19.4 लाख रुपए का आयात शुल्क लगता है। इस शुल्क को बचाने वाले तस्कर और अगर वे 3 फीसदी जीएसटी भी नहीं देते, तो उनकी कुल बचत करीब 24 लाख रुपए तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक सीमा शुल्क बढ़ने के बाद से भारत के घरेलू बाजार में सोने की कीमतें डिस्काउंट पर चल रही हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि देश में अवैध तरीकों से सोना आ रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने सरकार से सीमा शुल्क कम करने की अपील की है ताकि अवैध कारोबार का आकर्षण खत्म हो सके। अक्टूबर के अंत में भारत में सोने की कीमत 1,39,830 रुपए प्रति 10 ग्राम रही, जो इस महीने में 5.3 फीसदी गिरी और जनवरी के रिकॉर्ड उच्च स्तर से करीब 20 फीसदी कम है। हालांकि, इस साल अब तक



सोने की कीमतें 5.4 फीसदी ऊपर गई हैं। जानकारों के मुताबिक ज्यादा कर लगाने से अंततः तस्करी को बढ़ावा मिलता है और ऐसा पहले भी देखा जा चुका है।

एक विश्लेषण से पता चलता है कि आयात शुल्क में हर 1 फीसदी की बढ़ोतरी होने पर हर तिमाही में औसतन 3 टन सोने की तस्करी बढ़ जाती है। डब्ल्यूजीसी का मानना है कि शुल्क बढ़ने के बाद तस्करी में बढ़ोतरी हुई है और लोग अपने पुराने गहने बेच रहे हैं। जुलाई-सितंबर तिमाही में भारतीय बाजार में सोना कानूनी रूप से आयात करने की लागत से भी कम कीमत पर बिका, जो अब तक का सबसे बड़ा अंतर है। यह स्थिति बाजार में ऐसे सोने की उपलब्धता की ओर इशारा करती है जिस पर कोई शुल्क नहीं चुकाया गया है।

किसानों को बड़ी राहत, गैर-यूरिया उर्वरकों पर रिकॉर्ड सब्सिडी

सरकार ने 62,370 करोड़ रुपये किए आवंटित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने किसानों को बढ़ती उर्वरक कीमतों के बोझ से बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसके तहत पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के लिए 62,370.02 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से चालू वित्त वर्ष में गैर-यूरिया उर्वरकों पर कुल सब्सिडी बढ़कर रिकॉर्ड 1.03 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जो बजट अनुमान से 92.41 प्रतिशत अधिक है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में तेजी, विशेषकर सल्फर में भारी वृद्धि को देखते हुए उठाया गया है।

सरकार ने विशेष रूप से सल्फर पर सब्सिडी में सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जो 2.87 रुपये से बढ़कर लगभग 10.42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। नाइट्रोजन पर 94.21 रुपये और फॉस्फोरस पर 66.11 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी तय की गई है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल, खासकर सल्फर की कीमतों में 213 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के जवाब में की गई है। सरकार ने घरेलू सल्फर और सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादकों के लिए भी विशेष सहायता



पैकेज घोषित किया है, जिसके तहत उन्हें वास्तविक खरीद लागत का 20 प्रतिशत समर्थन मिलेगा।

आयातित और घरेलू ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) तथा आयातित मोनो-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए विशेष प्रावधानों को भी आगे बढ़ाया गया है, साथ ही सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर मालभाड़ा सब्सिडी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से जटिल एनपी और एनपीकेएस उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिनका घरेलू उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हुआ था। यह निर्णय उर्वरक कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और किसानों को संतुलित पोषक तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं। भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ



केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है। यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है। इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

एसआईपी निवेश से अक्टूबर में आए 32,160 करोड़

इक्विटी फंड में भी दिखा जबरदस्त उत्साह



एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय शेयर बाजार को घरेलू निवेशकों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए अक्टूबर में 32,160 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश आया, जो लगातार तीसरा महीना है जब यह आंकड़ा 32 हजार करोड़ रुपये के पार रहा है। यह घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है और बाजार को स्थिरता प्रदान कर रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर में यह निवेश 32,490 करोड़ रुपये और अगस्त में 32,297 करोड़ रुपये रहा था। पिछले साल अक्टूबर के 29,529 करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें 8.9 फीसदी की शानदार वृद्धि हुई है। अक्टूबर में करीब 10 करोड़ एसआईपी खातों के जरिए यह पूंजी बाजार में आई, जो विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बावजूद बाजार को एक मजबूत सहारा दे रही है। इस दौरान पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश दर्ज हुआ, जिससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) बढ़कर 83.39 लाख करोड़ रुपये हो गई। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी निवेशकों का भरोसा कायम रहा और अक्टूबर में इसमें 32,994 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो लगातार 68वें महीने सकारात्मक रहा। जानकारों का मानना है कि एसआईपी के जरिए नियमित निवेश बाजार को बाहरी उतार-चढ़ाव से बचाता है और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति को बढ़ावा देता है, हालांकि निवेशकों को बाजार में निहित जोखिमों का ध्यान रखना चाहिए।

अक्टूबर में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 6,566 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। बाजार की उठापटक के बीच भी निवेशक गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पर भरोसा बनाए हुए हैं। अक्टूबर में इन दोनों श्रेणियों में कुल 6,566 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जिसमें सिल्वर ईटीएफ में अच्छी वृद्धि देखी गई, वहीं गोल्ड ईटीएफ में मामूली गिरावट रही। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल शुद्ध निवेश में गोल्ड ईटीएफ का हिस्सा 3,474 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ का 3,092 करोड़ रुपये रहा। खास बात यह है कि सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई, पर यह पिछले छह महीने के औसत से 45 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर, सिल्वर ईटीएफ में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो अब निवेशकों के पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बन रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, सिल्वर ईटीएफ में बढ़ता निवेश यह संकेत देता है कि निवेशक अब अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाते हुए चांदी को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। यह लगातार तीसरा महीना है जब इन दोनों श्रेणियों में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश आया है, जो निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। हालांकि, जानकारों ने निवेशकों को केवल मासिक आंकड़ों पर निर्भर न रहने की सलाह दी है।

सोने की शुद्धता की गारंटी बढ़ी, 6 और नए जिलों में बढ़ा हॉलमार्किंग का दायरा

बिहार, दिल्ली, गुजरात, यूपी व उत्तराखंड के जिले शामिल; ग्राहकों को मिलेगी शुद्धता की गारंटी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सोने की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अनिवार्य गोल्ड हॉलमार्किंग का दायरा अब देश के 6 और जिलों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे कुल 398 जिलों में बिना हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करना दंडनीय अपराध बन गया है। इस कदम का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को सोने की शुद्धता की शत-प्रतिशत गारंटी के रूप में मिलेगा।

उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत यह चौथा संशोधन आदेश लागू किया गया है। इसके बाद, अब 26 राज्यों और केंद्र



शासित प्रदेशों के 398 जिलों में बिना बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क और एचयूआईडी (हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन) के सोने के आभूषणों का निर्माण, भंडारण या बिक्री गैरकानूनी मानी जाएगी। नए शामिल किए गए 6 जिलों में बिहार का पश्चिमी चंपारण, दिल्ली का दक्षिण पश्चिम दिल्ली, गुजरात का पंचमहल, उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और संत कबीर नगर, तथा उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यह नियम 14के से 24के तक की विभिन्न शुद्धता वाले सोने के आभूषणों पर लागू है, और इन जिलों के सभी ज्वेलर्स को बीआईएस पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इस विस्तार से ग्राहकों को सोने की खरीद पर धोखाधड़ी से मुक्ति मिलेगी। हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता जो सोना खरीद रहे हैं, वह बिल पर दर्ज शुद्धता के अनुरूप ही हो। प्रत्येक हॉलमार्क वाले आभूषण पर मौजूद एचयूआईडी नंबर के जरिए, ग्राहक बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर सोने की पूरी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं, जिससे खरीद में पूरी पारदर्शिता और विश्वास बना रहेगा।

निवेश करने से पहले शब्दों और उनके मतलब को समझना जरुरी

सभी बॉन्ड की शर्तें और ब्याज दरें एक जैसी नहीं होतीं, जोखिम भी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बॉन्ड में निवेश शेयर बाजार के विकल्पों में एक अहम साधन है, जिसके जरिए निवेशक सरकार या कंपनियों को एक निश्चित अवधि के लिए पैसा उधार देते हैं और बदले में ब्याज लेते हैं। हालांकि सभी बॉन्ड की शर्तें और ब्याज दरें एक जैसी नहीं होतीं। इसलिए इनमें निवेश करने से पहले उनसे जुड़े जरूरी शब्दों और उनके मतलब को समझना जरुरी होता है ताकि निवेश का फैसला आसान हो सके।

जानकारी के मुताबिक कूपन रेट वह ब्याज दर है जो बॉन्ड जारी करने वाली कंपनी या सरकार उसके अंकित मूल्य के आधार पर तय करती है। जैसे 1,000 रुपए फेस वैल्यू वाले बॉन्ड पर 8 फीसदी कूपन रेट का मतलब है सालाना 80 रुपए ब्याज। वहीं, प्रीमियम बॉन्ड वह होता है जिसकी बाजार कीमत उसके अंकित मूल्य से ज्यादा हो, जबकि डिस्काउंट बॉन्ड वह होता है जिसकी बाजार कीमत अंकित मूल्य से कम हो। प्रीमियम तब होता है जब बॉन्ड की ब्याज दर बाजार में नई दरों से ज्यादा हो और डिस्काउंट तब जब बॉन्ड की कूपन दर नई दरों से कम हो।

जीरो कूपन बॉन्ड में निवेशक को नियमित ब्याज नहीं मिलता, इसे कम कीमत पर जारी किया जाता है और मैच्योरिटी पर पूरी फेस वैल्यू लौटाई जाती है। इसके विपरीत फ्लोटिंग रेट बॉन्ड में ब्याज दर किसी निश्चित बेंचमार्क से जुड़ी होती है और तय अंतराल पर बदलती रहती है, जबकि फिक्स्ड रेट बॉन्ड में ब्याज दर निवेश के समय ही तय हो जाती है और



मैच्योरिटी तक समान रहती है। कॉलेबल बॉन्ड में जारीकर्ता को तय शर्तों के मुताबिक मैच्योरिटी से पहले बॉन्ड वापस खरीदने का अधिकार होता है, जिसे कॉल रिस्क कहा जाता है। दूसरी ओर कन्वर्टिबल बॉन्ड निवेशक को तय शर्तों के मुताबिक अपने बॉन्ड को कंपनी के इक्विटी शेयरों में बदलने का विकल्प देता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक बॉन्ड में निवेश करने से पहले सिर्फ ब्याज दर या कूपन रेट देखना पर्याप्त नहीं है। निवेशक को बॉन्ड की क्रेडिट रेटिंग, जारीकर्ता की वित्तीय स्थिति, मैच्योरिटी और बाजार में उसकी कीमत पर भी ध्यान देना चाहिए। क्रेडिट रेटिंग जोखिम का संकेत देती है, लेकिन यह भुगतान की गारंटी नहीं होती। इसके अलावा ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। अगर निवेशक मैच्योरिटी से पहले बॉन्ड बेचना चाहता है, तो बाजार में खरीदारों की उपलब्धता और उस समय की कीमत के कारण उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए निवेश से पहले बॉन्ड की शर्तों और उससे जुड़े जोखिमों को समझना जरूरी है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत उछाल, लक्ष्य का 53 फीसदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.76 प्रतिशत बढ़कर लगभग 14.42 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह आंकड़ा सरकार के वार्षिक लक्ष्य का 53 प्रतिशत दर्शाता है, जो राजस्व संग्रह में मजबूत गति का संकेत है।

इस अवधि में, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत करदाताओं, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से प्राप्त शुद्ध गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से मिलने वाले राजस्व में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो 54,078 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सरकार ने इस दौरान करदाताओं को 3.08 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर 17.50 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10 नवंबर तक 53 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

ब्रीफ न्यूज़

चौथे और पांचवें एकदिवसीय में बदल जाएगी भारतीय टीम पर विराट और रोहित बने रहेंगे

मौनगानुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए भारतीय क्रिकेट टीम बदलावों के साथ उतरेगी। इन दोनो ही मैचों में शुभगन गिल की जगह श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे। शुभमन के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ी भी इन दोनो ही मैचों से बाहर रहेंगे हालांकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा टीम का हिस्सा बने रहेंगे। इसका कारण है कि शुभमन सहित जो भी खिलाड़ी शामिल नहीं किये गये हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सिरीज खेलनी है इसी कारण उन्हें आराम दिया गया है जबकि विराट और रोहित केवल एकदिवसीय सीरीज ही खेलते हैं। इसलिए ये दोनो ही टीम का हिस्सा बने रहेंगे। बाहर होने वाले खिलाड़ियों की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, तिलक वर्मा और यश ठाकुर टीम को शामिल किया गया है। एकदिवसीय सीरीज का अंतिम मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 19 नवंबर से टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। दोनों सीरीज के बीच अंतर काफी कम है, इसी कारण टेस्ट सीरीज में खेलने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए समय देने टीम में शामिल नहीं किया गया है।

रैंडेल भारत के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भारतीय टीम के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों के लिए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया है। रैंडेल पहली बार राष्ट्रीय टीम से खेलते दिखेंगे। इस गेंदबाज ने कुल 145 पेशेवर मैच हैं, जिसमें न्यूजीलैंड ए के लिए पांच मैच शामिल हैं। टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रैंडेल को उनके अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में चयन पर बधाई दी है। वाल्टर ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को पहली बार अंतरष्ट्रीयल टीम में शामिल किया जाता है तो यह हमेशा एक खास समय होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें इसी कारण यह अवसर मिला है। रैंडल के अलावा क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच के लिए वापस बुलाया है। इसी को लेकर वाल्टर ने कहा, पूरी सीरीज में कुछ बदलाव हुए हैं, इसलिए हम खुशकिस्मत हैं कि हम ब्रेट और जोश को शामिल कर पाए। इसके अलावा, मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइलीज चौथे। वहीं पांचवें एकदिवीसय मैच के लिए वाल्टर और मार्टिन गप्टिल को शामिल किया गया है। वहीं न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच जैकब ओरम, बैटिंग कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन को टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वेलिंगटन भेजा गया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। चौथा एकदिवसीय शुक्रवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में होना है। वहीं पांचवां एकदिवसीय भी यहीं खेला जाएगा।



सेनेगल के डकार में बीच हैंडबॉल में खेलती हुई मैक्सिको और चीन की खिलाड़ी।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है। उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

सूर्यकुमार ने फिर वापसी का प्रयास शुरु किया, खेल के प्रति पुराना जुनून जगाया

इससे पहले भी उनका बल्ला लगातार खामोश रहा था, और खराब प्रदर्शन के चलते आखिरकार उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था

एजेंसी ■ मुम्बई

टी20 विश्व कप के बाद कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर किये गये सूर्यकुमार यादव एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। सूर्या घरेलू मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुम्बई की कप्तानी करते दिखेंगे। सूर्यकुमार का कहना है कि उन्होंने अब क्रिकेट के प्रति अपना पुराना लगाव और जुनून फिर से हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार ने 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में अपना आखिरी मुकाबला खेला था, जहाँ भारत ने 96 रन से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि खितबी मुकाबले में सूर्यकुमार पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे। इससे पहले भी उनका बल्ला लगातार खामोश रहा था, और खराब प्रदर्शन के चलते आखिरकार उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था।

वहीं इसके बाद सूर्यकुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, टी20 विश्व कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। मैं इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ना चाहता। साथ ही कहा कि अगर आप खुद के प्रति ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि इसी साल मई में बेटी के जन्म ने उन्हें इस मानसिक उथल-पुथल से बाहर निकलने में काफी मदद की। इस बल्लेबाज ने भावुक होते हुए कहा, सच कहूं तो टीम से बाहर होना मेरे लिए बहुत कठिन रहा लेकिन इसी दौरान आईपीएल के समय मई में मेरे घर बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद मेरा पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद बीते कुछ महीने मेरे लिए बेहद खूबसूरत रहे हैं।

धीरे-धीरे उनका ध्यान फिर क्रिकेट की ओर लौटने लगा। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सोचा कि क्यों न फिर से उसी तरह सोचना शुरू करूं, जैसे अपने करियर की शुरुआत में सोचता था। 36 वर्षीय सूर्यकुमार ने कहा, मेरे क्रिकेट के सफर की शुरुआत में मेरा एकमात्र सपना मुंबई की आयु-वर्ग क्रिकेट टीमों में खेलना और आगे चलकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करना था। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ बैठकर अपने भविष्य को लेकर विचार-विमर्श किया।

उन्होंने बताया कि पत्नी ने भी वही बात कही जो उनके मन में थी। उनका मानना था कि सूर्यकुमार को फिर से वही जुनून जगाना होगा, जो 15 साल की उम्र में उनके अंदर था, जब उनका एकमात्र सपना मुंबई की अंडर-15 टीम का प्रतिनिधित्व करना था। पत्नी की इस सलाह ने उनके नजरिये में बदलाव ला दिया। यादव ने बताया, मैंने इसी बात पर ध्यान देना शुरू किया और अब 10-15 साल पहले की तरह ही अपने खेल पर काम कर रहा हूं। मैंने दोबारा उसी अंदाज में अभ्यास शुरू कर दिया है। खेल के प्रति वही जुनून और लगाव फिर से पैदा कर रहा हूं।

उन्होंने जोर दिया कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है। जब आप इन बातों के बारे में सोचते हैं और अपना पूरा ध्यान खेल पर लगाते हैं, तो आपके मन में अपनी टीम और परिवार के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की इच्छा जागती है, जिससे चीजें पूरी तरह बदल जाती हैं।फिलहाल, सूर्यकुमार यादव मुंबई के लिए मैच जीतने और अपनी टीम को चैंपियन बनाने पर केंद्रित हैं। इस दिशा में उनका पहला कदम आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट होगा, जिसमें वह मुंबई की कप्तानी करेंगे। उन्होंने मुंबई के युवा क्रिकेटरों को यह नसीहत भी दी कि आईपीएल का अनुबंध हासिल करना उनके करियर का अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि भारत के लिए खेलना असली सपना होना चाहिए।



डब्ल्यूटीए फाइनल्स : सबालेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा सेमीफाइनल में पहुंची

ये उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की पांचवीं खिलाड़ी बनी

इंडियन वेल्स। रुस की महिला टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने बेलारुस की एरिना सबालेंका को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स में प्रवेश किया है। इस रोमांचक मुकाबले में एंड्रीवा ने सबालेंका को सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से पराजित किया। एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मुकाबले में एंड्रीवा ने अंतिम 11 गेम जीतकर 55 में से 45 अंक हासिल किए। इस जीत के साथ ही वह 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। वह साल 2003 में मौजूदा राउंड-रॉबिन फॉर्मेट शुरू होने के बाद से सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पांचवीं कम उम्र की पांचवीं खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मारिया शारापोवा, एना इवानोविच, वोज्नियाकी और कोको गॉफ ने यह उपलब्धि हासिल की थी। एंड्रीवा ने अपने शुरुआती राउंड-रॉबिन मैच में एलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-0 से हराने के साथ ही एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। एंड्रीवा टूर्नामेंट के इतिहास में पहली ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने अपने पहले दो डब्ल्यूटीए फाइनल्स मैचों में से प्रत्येक में 6-0 से एक सेट जीता है। इस डब्ल्यूटीए फाइनल्स में टॉप 10 में अपनी पहली जीत पक्की करने के बाद, एंड्रीवा ने इस सप्ताह दो और शीर्ष 10 खिलाड़ियों को हराया। यह उनके करियर में तीसरी बार है जब उन्होंने किसी एक ही इवेंट में कई शीर्ष 10 खिलाड़ियों को हराया है। इससे पहले उन्होंने 2025 में दुबई और इंडियन वेल्स में भी खिताबा जीता था। वहीं हार के बाद भी सबालेंका बाहर नहीं हुई हैं और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। वह और एलिना स्वितोलिना शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टकरायेंगी। - स्वितोलिना ने अपने मुकाबले में कैरोलिना मुचोवा को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6, 6-2, 6-2 से हराया था। इस जीत के साथ, स्वितोलिना को शुक्रवार को सबालेंका के खिलाफ अपने ग्रुप स्टेज के फाइनल मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर मिलेगा। यह डब्ल्यूटीए फाइनल्स में स्वितोलिना की 11वीं जीत थी और 2019 के बाद यह उनकी पहली जीत है। वह तीन सेट के मैचों में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में 6-1 के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ आगे बढ़ रही हैं। दूसरी ओर अपने दोनों मुकाबले हारने के कारण मुचोवा सेमीफाइनल की दौड़ समाप्त हो गई।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एक दिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

माउंट मौनगानुई। भारतीय टीम यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-0 से आगे हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा। इस मैच में उतरते ही भारतीय टीम बदली-बदली नजर आयेगी। इस अहम मैच में युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहली बार एकदिवसीय प्रारुप में भारतीय टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। वहीं 19 नवंबर से होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए नियमित कप्तान शुभमन गिल , केएल राहुल, सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में ईशान किशन टीम में विकेटकीपर की मुख्य भूमिका भी निभाएंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अंतिम दो मैचों के लिए दल में शामिल किया गया है। वहीं, औकिब नबी को भी बरकरार रखा गया है। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी दोनो मैचों में बने रहेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड भी अपने घरेलू मैदान और हालातों का लाभ उठाकर भारतीय टीम को कड़ी टक्कर देना चाहेगा। यह मुकाबला दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम आखिरी दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करना चाहेगी। इससे पहले उन्होंने टीम में बदलाव किए हैं। इसके तहत ही ब्रेट रैंडेल को न्यूजीलैंड ने चौथे और पांचवें एकदिवसीय मैच के लिए अपनी टीम के साथ जोड़ा है। 31 वर्षीय इस गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई है। उन्होंने अब तक 55 लिस्ट ए मैच खेले हैं, जिसमें 100 विकेट अपने नाम किए हैं।




इंडियन वेल्स में डब्लयूटीए फाइनल में खेलती हुई कैरोलिना मुखोवा।

आईपीएल 2027: दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी नहीं करना चाहते अक्षर

मुम्बई। आईपीएल 2027 सत्र की तैयारी में लगी दिल्ली कैपिटल्स को अब एक नये कप्तान की तलाश करनी होगी। इसका कारण ये है कि पिछले दो सत्र से कप्तान रहे अक्षर पटेल अब अपने पद को छोड़ना चाहते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली कैपिटल्स का टीम प्रबंधन चाहता है कि अक्षर कप्तान बने रहें। इसी कारण उन्हें पद न छोड़ने के लिए मनाया जा रहा है। वहीं माना जा रहा है कि अक्षर की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स पिछले दोनों ही सीजनों (आईपीएल 2025 और 2026) में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही है, जिसने उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े किए हैं। इसी कारण वह ये जिम्मेदारी छोड़ना चाहते हैं। कप्तानी ही नहीं, बल्कि एक खिलाड़ी के तौर पर भी अक्षर का प्रदर्शन पिछले कुछ सत्रों में में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। आईपीएल 2026 में, उन्होंने 11 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए केवल 173 रन बनाए थे, जो एक ऑलराउंडर के लिए काफी कम हैं। वहीं इससे पहले आईपीएल 2025 के सत्र में उनकी गेंदबाजी भी प्रभावी नहीं रही थी और वह 11 पारियों में केवल 5 विकेट ही ले पाए थे। ऐसे में, कप्तानी के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत फॉर्म को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। वहीं रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि अन्य कुछ फ्रेंचाइजी ने अक्षर को ट्रेड के जरिए अपनी टीम में शामिल करने की इच्छा जताई थी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स ने ऐसे सभी प्रस्तावों को सिरे से नकार दिया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो मैचों के लिए मिली जिम्मेदारी

श्रेयस अय्यर बने भारतीय एक दिवसीय क्रिकेट टीम के 29वें कप्तान

एजेंसी ■ माउंट मौनगानुई

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वालो चौथे और पांचवे एकदिवसीय के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। इस प्रकार श्रेयस शुक्रकवार को मैदान पर उतरते ही भारतीय टीम के 29वें एकदिवसीय कप्तान बन जायेंगे। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज को देखते हुए आराम दिया गया है। इसी कारण अय्यर को टीम की कमान सौंपी गयी है। और यह पहला अवसर होगा जब वह एकदिवसीय प्रारुप में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने अपना पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच जुलाई 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। उस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय टीम की कमान महान क्रिकेटर अजीत वाडेकर ने संभाली थी। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर हुए उस मैच में कप्तान वाडेकर ने 10 चौकों की मदद से 67 रनों की शानदार पारी खेली थी, हालांकि मेजबान इंग्लैंड ने वह मुकाबला 4 विकेट से जीत लिया था। वाडेकर के नेतृत्व में शुरू हुई यह कप्तानी की परंपरा अब तक 28 अन्य क्रिकेटरों से होकर गुजरी है, और अब श्रेयस अय्यर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराने जा रहे हैं।

वाडेकर के बाद, भारत को कई दिग्गज कप्तानों का नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिन्होंने समय-समय पर टीम की कमान संभाली है। इस सूची में शामिल कुछ प्रमुख नाम उनके पहले मैच के प्रदर्शन के साथ इस प्रकार हैं: वेंकटराघवन, बिशन सिंह बेदी (4), सुनील गावस्कर (4), विश्वनाथ (5), कपिल देव (49), सैयद किरमानी (6), एम अमरनाथ, रवि शास्त्री (50), दिलीप वेंगसरकर (8), श्रीकांत (11), मोहम्मद अजहरुद्दीन (12), सचिन तेंदुलकर (110) रनों की शानदार पारी खेली थी), अजय जडेजा (50), सौरव गांगुली (32), राहुल द्रविड़ (6), अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग (43), एमएस धोनी, सुरेश रैना (37), गौतम गंभीर (38), विराट कोहली (2), अजिंक्य रहाणे (34), रोहित शर्मा (2), शिखर धवन (86), केएल राहुल (12), हार्दिक पांड्या (25) और शुभमन गिल (10)। अब श्रेयस अय्यर इस सूची में शामिल होकर भारत के 29वें वनडे एकदिवसीय कप्तान बने हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा एकदिवसीय माउंट मौनगानुई के बे-ओवल में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच की शुरुआत सुबह 7:30 बजे से होगी, जबकि टॉस आधा घंटा पहले 7 बजे होगा।



ब्रीफ न्यूज

डीजीपी के लिए 12 नामों का पैनल तैयार

भोपाल। मप्र में नए डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके लिए यूपीएससी को 12 आईपीएस अधिकारियों के नाम भेजे जाने की तैयारी है। हालांकि, 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी और स्पेशल डीजी जेल जी. अखेतो सेमा ने डीजीपी बनने की अनिच्छा जाहिर कर दी है। उन्होंने यूपीएससी को नाम भेजे जाने से पहले ही लिखित रूप में अपनी मंशा स्पष्ट कर दी। अधिकारियों के मुताबिक उनके हटने के बाद अब 11 नामों पर विचार होगा, जिनमें से तीन अधिकारियों का पैनल तैयार किया जाएगा। सेमा की वरिष्ठता सूची में छठवीं रैंक थी। उनके इनकार के बाद 1993 बैच के अनिल कुमार छठवें स्थान पर आ जाएंगे। अंतिम चयन यूपीएससी की प्रक्रिया के बाद होगा।

प्रदेश में अब तक 20 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रियां पूरी

भोपाल। प्रदेश में ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों की संपत्तियों का पंजीयन किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक कुल 20 लाख 5 हजार 863 रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैं। योजना से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज प्राप्त हो रहा है। इससे उन्हें बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में भी सहायता मिलेगी।

एक बार फिर डही का मैदान चर्चा में

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर डही का मैदान चर्चा में है। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सभा प्रस्तावित है। कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान मंच की दिशा को लेकर भाजपा नेताओं ने आपत्ति जताई है। इसके बाद मंच की दिशा उत्तर की ओर करने का निर्णय लिया गया। खास बात यह है कि इसी मैदान पर 26 फरवरी 2020 को तत्कालीन सीएम कमलनाथ ने सिंचाई परियोजना का भूमिपूजन किया था। बाद में 20 मार्च 2020 को कांग्रेस सरकार गिर गई थी। इसी राजनीतिक घटनाक्रम के कारण यह मैदान एक बार फिर चर्चा में है।

मध्यप्रदेश के संभागों, जिलों और तहसीलों की बदलेंगी सीमाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश में करीब 42 साल बाद प्रशासनिक सीमाओं में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसके तहत प्रदेश के संभागों, जिलों और तहसीलों की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण हो सकता है। प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग मार्च तक अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। आयोग ने प्रदेश के 55 में से 50 जिलों का सर्वे पूरा कर लिया है। दिसंबर से संभाग स्तर पर जनसुनवाई शुरू होगी। इसमें स्थानीय जरूरतों, भौगोलिक परिस्थितियों, जनसंख्या और प्रशासनिक सुविधाओं को ध्यान में रखा जाएगा। जरूरत के अनुसार बड़े जिलों को छोटे हिस्सों में बांटने और नई तहसीलों के गठन पर भी विचार किया जा सकता है।

आर्म रेसलिंग में रोहित ने दो पदक जीतकर प्रदेश को किया गौरवान्वित



मंत्री कुशवाह ने रोहित, खुशी और सान्या का किया सम्मान, शुभकामनाएं भी दीं

वेब वार्ता, भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने अंतर्राष्ट्रीय पैरा आर्म रेसलिंग विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक विजेता ग्वालियर के रोहित सिंह एवं विश्व स्तर पर चौथी रैंक प्राप्त करने वाली उनकी बहन सुश्री खुशी लहरिया का गुरुवार को चार इमली स्थित अपने कार्यालय में सम्मान किया। कुशवाह ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि दोनों भाई-बहन ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से देश एवं मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उनकी उपलब्धियां प्रदेश के दिव्यांग एवं युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उल्लेखनीय है कि रोहित सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित 47वीं विश्व आर्म रेसलिंग एवं 28वीं विश्व पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 में दो कांस्य पदक अर्जित किए। उन्होंने ताशकंद, उज्बेकिस्तान में विश्व पैरा आर्म रेसलिंग कप में स्वर्ण पदक तथा एशियन चैंपियनशिप में एक स्वर्ण एवं दो कांस्य पदक जीते। वर्ष 2025 में बुल्गारिया विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

इसके अतिरिक्त गुजरात एवं केरल की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो-दो स्वर्ण पदक तथा ग्वालियर में आयोजित ऑल इंडिया पीएएफआई कप में दो स्वर्ण पदक सहित चैंपियन ऑफ चैंपियंस का खिताब हासिल किया। मध्यप्रदेश की गौरव एवं इंदौर की प्रतिभाशाली बेटी अंतर्राष्ट्रीय डेफ एथलीट सान्या डोंगरे ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का मान बढ़ाया है। सान्या का भी मंत्री कुशवाह ने आत्मीय स्वागत किया।

बता दें सान्या डोंगरे ने एशिया पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप, मलेशिया-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके पूर्व वर्ष 2024 की एशिया पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने 1 स्वर्ण, 1 रजत एवं 2 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। इसके अतिरिक्त गुजरात, केरल, इंदौर सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्य प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने अनेक पदक अर्जित किए हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर नक्सल मुक्त बालाघाट में विकास का नया अध्याय
- नक्सल प्रभावित गांवों में अब आकार ले रहीं विकास की नई संभावनाएं
- 100 गांवों के कायाकल्प के लिए 330 करोड़ रुपए की कार्ययोजना



वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। नक्सलवाद के सफाये के बाद अब सरकार का विशेष फोकस इन क्षेत्रों को सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार की सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने पर है। इसके लिए 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपए की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है।

इस कार्ययोजना में 266 करोड़ रुपए के काम मंजूर भी हो चुके हैं। इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयास धरातल पर फलीभूत होने लगे हैं। यही कारण है कि भय को भुलाकर इस क्षेत्र में अब विश्वास और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए बदलावों और विकास की संभावनाओं को सामने लाने के लिए गुरुवार को पीआईबी, भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा संयुक्त मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में बालाघाट के डीआईजी विनीत जैन ने बताया कि 1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह ने 100 गांवों के चहुंमुखी विकास के तैयार की गई 330 करोड़ रुपए की कार्ययोजना की सिलसिलेवार जानकारी दी। कार्यशाला में एसपी मलय जैन, एआईजी हॉक फोर्स रवि द्विवेदी, एडीशनल एसपी नितेश भार्गव, पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम मौजूद थे। कार्यशाला में जहां अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की भावी रणनीति पर अपनी बात रखी, वहीं नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों के सरपंचों और युवाओं ने प्रशासन को क्षेत्रीय विकास के लिए अन्य जरूरतों की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि बालाघाट में करीब 35 सालों तक नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती रहा। मार्च 2026 तक पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने 1239 अभियान चलाकर जिले से नक्सलवाद का खात्मा किया। अब प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है।

पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क और 43 पुल-पुलियों के कार्य कराए गए हैं। इससे 250 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। करीब 90 मोबाइल टावर्स के जरिए यहां संचार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

सीएम आज करेंगे सह पशु मेला का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में शुक्रवार 13 नवम्बर को विशाल पशुपालक सम्मेलन सह पशु मेला का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर जिले में कृषि, पशुपालन एवं अन्य विभागीय योजनाओं के तहत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे। किसान कल्याण वर्ष के तहत आयोजित होने जा रहे इस सम्मेलन में उत्कृष्ट पशुपालन एवं उन्नत खेती-किसानी पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगेगी। साथ ही कन्हैया लोकगीत, पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ एवं घोड़ा दौड़ जैसे आयोजन भी होंगे।

सीएम आज लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे राशि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर से प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के रूप में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर शिवपुरी जिले में 221 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में की गई थी। योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। अक्टूबर 2023 में सहायता राशि बढ़ाकर 1,250 रुपए की गई। इसके बाद नवंबर 2025 से मासिक सहायता राशि में पुनः 250 रुपए की वृद्धि कर इसे 1,500 रुपये कर दिया गया।

अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की पहल

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इन क्षेत्रों में चलाए जा रहे 'मिशन आदि सेवा' के तहत जनजातीय संस्कृति को संरक्षित करते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की भी पहल की जा रही है। बैगा हाट, होम-स्टे, सांस्कृतिक पार्क, आर्ट गैलरी और ई-मार्केटप्लेस के जरिए स्थानीय उत्पादों जैसे हस्तशिल्प, बांस शिल्प, काष्ठ शिल्प, रेशम उत्पाद एवं गोंड पेंटिंग्स को बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। जीआईएस तकनीक से विकास कार्यों की निगरानी और क्षेत्र के हर गांव से रोजगार के लिए ग्रामीणों की अन्य शहरों की ओर गमन करने की एक पंजी तैयार करने की व्यवस्था भी की जा रही है। मीडिया कार्यशाला में ग्रामीणों और युवाओं ने नक्सलवाद के समाप्ति के बाद गांवों में बढ़ी शांति, सुरक्षा और शासन की योजनाओं की बेहतर पहुंच का उल्लेख किया। सभी ने इसे सुखद बदलाव और विकास का महत्वपूर्ण संकेत बताया।

स्वच्छता के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में सागर ने हासिल किया देश में तीसरा स्थान

अब सागर को नंबर वन बनाने का संकल्प लें: मंत्री राजपूत



- आयुक्त ने मंत्री राजपूत को भेंट किया पुरस्कार

वेब वार्ता, भोपाल

स्वच्छता के क्षेत्र में सागर शहर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त कर सागर का गौरव बढ़ाया है। नगर निगम सागर को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति महोदया द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सागर के लिए यह उपलब्धि न केवल गौरव का विषय है, बल्कि शहर के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छताकर्मियों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों एवं जनभागीदारी का परिणाम भी है।

इसी उपलब्धि को लेकर गुरुवार को नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री मातेश्वरी निवास पहुंचे, जहां उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार मंत्री एवं सुरखी विधायक गोविंद सिंह राजपूत को भेंट किया। इस अवसर पर मंत्री राजपूत ने नगर निगम आयुक्त सहित स्वच्छता अभियान से जुड़े सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और शहरवासियों को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्य प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि तीसरा स्थान प्राप्त करना हमारी सफलता जरूर है, लेकिन हमें इसी पर संतुष्ट होकर नहीं रुकना है। हमारा अगला लक्ष्य सागर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश का नंबर वन शहर बनाना होना चाहिए। इसके लिए हमें पहले से अधिक मेहनत, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। मुझे विश्वास है कि नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ काम करेंगे तथा शहरवासी भी स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे तो आने वाले समय में सागर देश में प्रथम स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सड़कों और गलियों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर का समग्र विकास, सुंदरता, व्यवस्थित यातायात, स्वच्छ वातावरण, कचरे का उचित प्रबंधन और सार्वजनिक स्थलों का बेहतर रखरखाव भी इसमें शामिल है।

शिकायतों के बाद परिवहन आयुक्त कार्यालय सख्त

मनमाना किराया वसूला तो बस का परमिट होगा रद्द



वेब वार्ता, भोपाल

यात्रियों से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों के बाद परिवहन आयुक्त कार्यालय ने संबंधित बसों के परमिट रद करने की अनुशंसा करने के लिए कहा है। सभी जिला परिवहन अधिकारियों को इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि ऑल इंडिया परमिट की बसों में अधिक किराया लेने की शिकायतों की पुष्टि करें और बसों को जब्त करें। ऐसी बसों के परमिट रद्द करने के अधिकार आरटीओ को नहीं हैं। ऐसे में अनुशंसा परिवहन आयुक्त कार्यालय को भेजी जाए ताकि यहां से परमिट रद्द किया जा सके। बता दें अधिक किराया लेने की शिकायतें पहले से आ रही थीं और दीपावली के आसपास तीन गुना तक अधिक किराया लेने के मामले सामने आए।

उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने परमिट रद्द करने के लिए कहा है। डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर किरण शर्मा ने बताया कि सभी आरटीओ के लिए आदेश जारी किया गया है। बता दें राज्य सरकार ने यात्री बसों का किराया इसी वर्ष सात अगस्त से सवा रुपये से बढ़ाकर दो रुपए प्रति किलोमीटर कर दिया है। इसके बाद भी अधिक वसूली की शिकायतें मिल रही हैं।

शिवराज की मां की त्रयोदशी में पहुंचे राजनाथ, योगी समेत तीन सीएम

- सभी नेताओं ने स्व. काशीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि



वेब वार्ता, भोपाल

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां स्वर्गीय काशी बाई की स्मृति में गुरुवार को भोपाल में त्रयोदशी एवं गंगाजली पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की राजनीति के कई बड़े चेहरे श्रद्धांजलि देने पहुंचे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भोपाल पहुंचकर काशी बाई को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ने शिवराज सिंह चौहान और उनके परिवार से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव भी शामिल हुए। सभी नेताओं ने काशी बाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शिवराज सिंह चौहान और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया।

बता दें शिवराज सिंह चौहान की मां काशी बाई का 30 अक्टूबर को भोपाल एम्स में उपचार के दौरान निधन हो गया था। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। निधन के बाद सीहोर जिले के उनके पैतृक गांव जैत में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। उनके निधन के बाद से ही राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग चौहान परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। गुरुवार को आयोजित त्रयोदशी और गंगाजली पूजन में भी बड़ी संख्या में शुभचिंतक और गणमान्य लोग शामिल हुए।

तैयारी मंत्रीद्वय ने जनजातीय गौरव सप्ताह मनाने की समीक्षा, आवश्यक निर्देश दिए

बिरसा मुण्डा जयंती पर होंगे सांस्कृतिक, साहित्यिक और अन्य गतिविधियां

वेब वार्ता, भोपाल

जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने भगवान बिरसा मुण्डा जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव सप्ताह के आयोजन की तैयारियों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुरुवार को मंत्रालय से समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य आयुक्त तरुण राठी भी मौजूद थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, जिले के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त जुड़े थे।



शाह ने बताया कि पीएम मोदी 15 नवम्बर को कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में होगा। वेबकॉस्ट के माध्यम से इसका सीधा प्रसारण होगा, जिसे हर जगह दिखाने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। बैठक में छात्रावास/आश्रम शालाओं के लिये निर्देश दिए गए कि जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान निबंध, भाषण प्रतियोगिताएँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। पालक समिति की बैठक समय पर हो। विद्यार्थियों के लिये विशेष भोजन की व्यवस्था भी की जाए।

विभागीय हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल और विशिष्ट विद्यालयों को भी निर्देश दिये गये हैं कि इस दौरान सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन हो। निबंध, भाषण प्रतियोगिता के साथ जनजातीय नृत्य, नाटक, संगीत, रंगोली और चित्रकला जैसी गतिविधियां भी की जाएं। जनजातीय विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रमों के लिये भी निर्देश दिये गये। प्रत्येक 88 जनजातीय विकासखण्ड में कार्यक्रम आयोजित होंगे। दिनांक 18 से 20 नवम्बर तक स्थानीय रूप से चयनित ग्रामों में जनजातीय गौरव चौपाल का आयोजन किया जाये, जिसमें जनजातीय जन-प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

सांस्कृतिक रैली का आयोजन

इसी प्रकार प्रत्येक जिला मुख्यालय स्तर पर सांस्कृतिक रैली का आयोजन कर मंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का प्रभावी नेतृत्व और सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जनजातीय जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सांस्कृतिक रैली में जनजातीय समाज की लोक-कला, परम्पराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक की प्रस्तुति सुनिश्चित हो। सांस्कृतिक रैली में जनजातीय परम्परागत वेशभूषा और वाद्य यंत्रों का उपयोग भी सुनिश्चित हो।

18 साल पूरी कर रहे युवा मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं अपना नाम

वेब वार्ता, भोपाल

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूट गए लोगों को एक बार फिर मौका दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश समेत देश के 17 राज्यों में 12 नवंबर से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावली का प्रारूप गुरुवार को प्रकाशित कर दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार एक जनवरी 2027 की पात्रता तिथि के आधार पर मतदाता सूची तैयार की जा रही है। इस प्रारूप पर 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। जिन युवाओं की उम्र एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे भी मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी की गई है।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने या आपत्ति दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। इसके लिए संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा वोटर हेल्पलाइन एप और निर्वाचन आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।